सुविचार

सफलता तुम्हारे मूड की मोहताज नहीं है, वह तुम्हारे अनुशासन की दीवानी है।

www.unplugindia.com

नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 03 | नोएडा, शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026 | पृष्ठ :08 | मूल्य : 03 रुपये

एशियन गेम्स-26 में भारतीय मुक्केबाजों का 'गोल्डन' पंच

लवलीना और परवीन के बाद अंकुश ने भी जीता सोना

रेसलर सुजीत कलकल भी छाए, लगाया गोल्डन दांव

नागोया (एजेंसी)। एशियन गेम्स में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बहुत ही शुभ रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने एक मिनट के अंदर 2 गोल्ड मेडल जीते। बॉक्सर अंकुश पंघाल ने पुरुषों की 80 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। इससे ठीक एक मिनट पहले सुजीत कलकल ने रेसलिंग के पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में सोना अपने नाम किया। इससे पहले बॉक्सर परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा और लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। पहली बार 3 भारतीय मुक्केबाज एशियन गेम्स में चैंपियन बने हैं। सुबह भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने रिकर्व इवेंट में भी गोल्ड दिलाया।

विमेंस हॉकी को एशियाड में 44 साल बाद गोल्ड

भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। टीम ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। भारत के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया। इससे पहले भारत ने 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। भारत की महिला हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीत लिया है।

- **सुजीत कालकल ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता गोल्ड–** भारत के सुजीत कालकल ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीत लिया। फाइनल में सुजीत ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कुदिएव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय सुजीत 2-9 से पीछे थे और सिर्फ 1 मिनट 40 सेकंड का खेल बाकी था। इसके बाद उन्होंने लगातार टेकडाउन किए और तेजी से तीन बार 2-2 अंक जुटाकर स्कोर 8-9 तक पहुंचा दिया। आखिरी 11 सेकंड में सुजीत ने एक और टेकडाउन किया।

अंतरिक्ष से ही तस्वीरों को समझकर तुरंत जानकारी भेजेगा

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीटूस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्टर-18 मिशन से रात 11.48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।

अंतरिक्ष में ही डेटा की छंटाई करेगा सैटेलाइट– अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच और विश्लेषण होता है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा। कंपनी के मुताबिक अगर किसी सैटेलाइट ने 300 जीबी डेटा जुटाया है और उसमें से केवल 5 जीबी जानकारी काम की है।

संक्षिप्त समाचार

धर्म संकट में आया तो देश भुगतेगा खामियाजा

- भागवत बोले-धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा। मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।

भारत से ही हर समस्या का समाधान

भारत ने दूसरे देशों पर कब्जा करने या लोगों का धर्म बदलने की कोशिश किए बिना अपना ज्ञान दुनिया से साझा किया। दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। भारत के पास वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसी विशाल ज्ञान परंपरा है। इसमें जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं भी शामिल हैं।

पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ का बड़ा ऐक्शन

दो पाकिस्तानी घुसपैठिये मारे गए, भारतीय इलाके में घुसने की कर रहे थे कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने शुक्रवार दिन में दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को ढेर कर दिया। ये कार्रवाई दिन के करीब 12 बजे की है। अधिकारियों के मुताबिक, इंटरनेशनल बॉर्डर पार करके दो पाकिस्तानी घुसपैठिये भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बीएसएफ की टीम ने उन्हें देख लिया। जैसे ही जवानों को उन

पर शक हुआ तो बीएसएफ ने कार्रवाई की, जिसमें दो पाकिस्तानी घुसपैठिये मारे गए। बीएसएफ से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तानी घुसपैठिये दोपहर करीब 12 बजे पंजाब के तरनतारन इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, घुसपैठियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पूरे मामले में पंजाब पुलिस, बीएसएफ के साथ मिलकर आगे की कार्रवाई में जुटी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है।

बॉर्डर पर संदिग्ध हलचल के बाद बीएसएफ की कार्रवाई

अधिकारियों के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ जवानों ने दोपहर के समय इलाके में कुछ संदिग्ध हलचल देखी। जवानों ने चेतावनी दी, नहीं माने तो गोली मार दी।

एसआईआर के बाद छूटे नामों पर फोकस

- 20 राज्यों में विशेष अभियान चलाएगा चुनाव आयोग
- एसआईआर में छूटे और नए मतदाताओं के नाम जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। इसमें एसआईआर के दौरान छूटे लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप में दिया था। गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी इसे दोहराया गया। पहले और दूसरे फेज में 13 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, तीसरे फेज में 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित

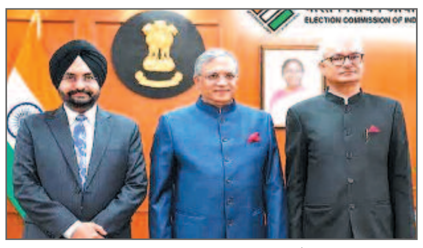

प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया जारी है। इनमें से 7 राज्यों में लिस्ट जारी हो चुकी है। हालांकि, ईसी ने तीसरे फेज के 7 राज्यों के नाम नहीं बताए हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दो करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से बाहर हुए हैं।

हटाए गए नामों की भी जांच होगी

इसके अलावा आयोग ने ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें आईआईटी या आईआईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा। जरूरत के मुताबिक सॉफ्टवेयर में बदलाव किए जाएंगे। चुनाव आयोग इस मामले में तैयारी कर चुका है।

महाराष्ट्र के अमरावती में भीषण सड़क हादसा

- ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर, 7 लोगों की मौत

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। सभी घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

पीएम की तारीफ, हर भारतीय के लिए यह है गर्व का क्षण

- गृहमंत्री बोले-शांति प्रयासों के लिए पुतिन ने गांधी जयंती पर पीएम मोदी की प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक शांति के प्रयासों की प्रशंसा करना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने कहा कि गांधी जयंती के दिन पुतिन का यह बयान बताता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज बन गया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के मुख्य सत्र में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वे हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं।

- **भारत वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज–** केंद्रीय गृहमंत्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर लिखा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से वैश्विक शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करना हर भारतीय को गौरवान्वित करने वाला क्षण है। पूरी दुनिया को शांति और अहिंसा का संदेश देने वाले महात्मा गांधी जी की जयंती के दिन आया यह बयान बताता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज बन चुका है। अमित शाह ने लिखा, युद्ध, तनाव और अस्थिरता के इस दौर में पीएम मोदी ने पूरे विश्व को संदेश दिया है कि समाधान युद्धभूमि पर नहीं, संवाद और कूटनीति से निकलता है।

तमिलनाडु में हाईवे बोर्ड पर हिंदी लिखने पर 2 अधिकारी सस्पेंड

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को नेशनल हाईवे साइनबोर्ड पर हिंदी लिखने के मामले में दो असिस्टेंट इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया। मामला तूतीकोरिन के सत्तानकुलम-नाजरेथ स्टेट हाईवे का है, जहां नए साइनबोर्ड पर तमिल और अंग्रेजी के साथ कस्बों के नाम हिंदी में भी लिखे गए थे। तमिलनाडु सरकार के मुताबिक यह राज्य की दो-भाषा नीति का उल्लंघन है। हिंदी हटाने के साथ दोनों अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 2026 में हिंदी में लिखे नाम मिटाने का तीसरा मामला है। इससे पहले मार्च में तिरुचिरापल्ली डिविजनल रेलवे ऑफिस के नए भवन के एंट्री गेट पर लिखा कर्तव्य द्वार मिटाया गया था। मार्च में ही सिंगानल्लूर रेलवे स्टेशन पर हिंदी में लिखे सिंगानल्लूर को द्रविड़ियन दलों के कार्यकर्ताओं ने काला कर दिया था।

गोंडा में 25 हजार लोग फंसे, बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। नेपाल से पानी आने और 10 तटबंधों के टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है। इससे 3.65 लाख लोग प्रभावित हैं। 44 हजार लोग घर छोड़ चुके हैं। तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 6-7 अक्टूबर को मैदानी इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 2-3 दिनों में मानसून विदा हो सकता है। राजस्थान के बीकानेर में बारिश हो सकती है। मानसून में 22 फीसदी कम बारिश हुई।

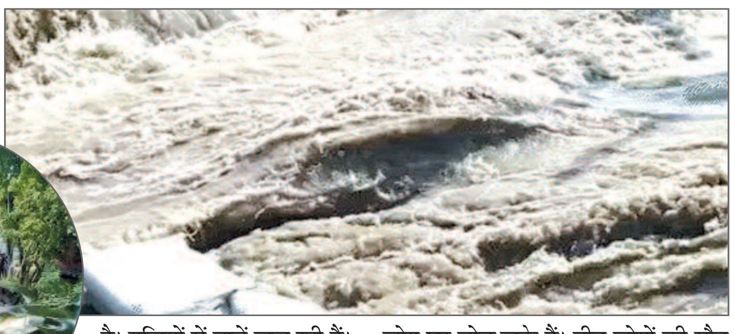

यूपी में 15 नदियां उफनाईं गोंडा में 30 गांव टापू बने

यूपी में बारिश थम गई है, लेकिन नदियां अब भी उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। हजारों बीघे धान की फसल डूब गई। सड़कें जलमग्न हैं। घरों-दुकानों में पानी भर गया है। लखनऊ में सई-गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। सड़कें जलमग्न हैं। बाराबंकी में सरयू उफान पर है। 1100 साल पुराने बाबा नारायण दास मंदिर का एक हिस्सा 4 दिन से नदी में लटका है। कुशीनगर में गंडक नदी लगातार कटान कर रही है। 48 घंटे में 6 रिहायशी झोपड़ियां और 2 पक्के मकान नदी में समा चुके हैं। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं।

पीएम मोदी से वीडियो कॉल पर बोले पायलट स्मित मछार

मैं घायल था, लेकिन यात्रियों को मरते नहीं देख सकता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार से वीडियो कॉल पर बात की और एक बड़े विमान हादसे को टालने के लिए उनके अदम्य साहस की सराहना की। बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान के दौरान ओमानी मूल के को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर चाकू से हमला कर विमान को क्रैश कराने की कोशिश की थी। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने सूझबूझ से कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिसके बाद यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने हमलावर को काबू किया। बोइंग 737 मैक्स विमान मात्र 30 सेकंड में करीब 14,000 फीट नीचे आ गया था, जिसे विमान में मौजूद दो अन्य ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने संभालते हुए सऊदी अरब पहुंचाया।

- **गंभीर चोट के बाद भी आपने यात्रियों की जान को प्राथमिकता दी–** अस्पताल के बिस्तर से बात कर रहे कैप्टन स्मित से प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके साहस, धैर्य और सूझबूझ ने अनगिनत लोगों की जान बचाई है। आप खुद गंभीर रूप से घायल थे और जिंदगी की जंग लड़ रहे थे, फिर भी आपने अपनी परवाह किए बिना यात्रियों की जान की चिंता की। आज आपके इस पराक्रम से 140 करोड़ भारतीयों का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अगर यह विमान हादसा नहीं रुकता, तो न जाने भारतीय पायलटों और देश को किस तरह की प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ता। कैप्टन ने सभी की जान बचाकर एक असाधारण काम किया है।

यूसीसी लागू करने वाला गुजरात बना दूसरा राज्य

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली मंजूरी, लागू हुआ कानून

मार्च, 2026 में विधानसभा से पास हुआ था यह बिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने को अपनी स्वीकृति दे दी है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता कानून को विधानसभा में पारित करके राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा था। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात दूसरा राज्य हो गया है जहां पर यूनिफॉर्म सिविल कोड प्रभावी हो गया है। देश में सबसे पहले उत्तराखंड में यूसीसी लागू हुआ था। कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि केंद्र सरकार 2029 से पहले सभी एनडीए शासित राज्यों में यूसीसी लागू करेगी। गुजरात में बीजेपी ने इसे 2022 विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में रखा था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद, गुजरात भारत का दूसरा ऐसा राज्य बन गया है जिसे यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की मंजूरी मिली है। गुजरात में आदिवासी समाज को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। गुजरात विधानसभा ने मार्च में साढ़े सात घंटे की लंबी चर्चा के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास किया था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्टार्टअप हरियाणा सेवा संकल्प का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में स्टार्टअप हरियाणा सेवा संकल्प-विचार से विस्तार तक कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसका शुभारंभ किया। तीन महीने के इस राज्यव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के सभी 23 जिलों से उद्यमी प्रतिभाओं और नए विचारों को तलाशना, उन्हें प्रशिक्षण व मार्गदर्शन देना तथा निवेश और बाजार से जोड़ना है।कार्यक्रम के तहत 3 लाख से अधिक इच्छुक उद्यमियों और स्टार्टअप्स को जोड़ने, 50 फाइनलिस्ट चुनने तथा शीर्ष 10 प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने का लक्ष्य रखा गया है। जिला स्तर पर आइडियाथॉन, मास्टरक्लास, मेंटरशिप, मंडल स्तरीय पिचथॉन और ग्रैंड फिनाले आयोजित होंगे।जिला आइडियाथॉन में प्रतिभागी 60 सेकंड की पिच में अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। चयनित प्रतिभागियों को उद्यमिता, वित्तीय प्रबंधन और पिचिंग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद करीब 350 टीमों को व्यक्तिगत मेंटरशिप मिलेगी।कार्यक्रम के दो ट्रैक होंगे। ग्रोथ-स्टेज स्टार्टअप्स के लिए निवेश आधारित और शुरूआती उद्यमियों, विद्यार्थियों व जमीनी नवाचारकर्ताओं के लिए अनुदान आधारित ट्रैक रखा गया है। दोनों ट्रैक के शीर्ष पांच विजेताओं को अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे।शुभारंभ के दौरान मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद और पंचकूला में नए इन्क्यूबेटर स्थापित करने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और स्टार्टअप एक्सीलरेटर चैंबर ऑफ कॉमर्स को लेटर ऑफ इंटेंट सौंपे। जोहो कॉर्पोरेशन और पेटीएम पेमेंट्स के साथ भी इकोसिस्टम पार्टनर के रूप में समझौते किए गए। मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप नीति के तहत सीड फंडिंग पाने वाले 11 स्टार्टअप्स को चेक वितरित किए।कार्यक्रम का उद्देश्य गुरुग्राम और फरीदाबाद से आगे प्रदेश के अन्य जिलों में भी स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देना है।

गुरुग्राम में जीवीपी मुक्त अभियान शुरू, 21 कचरा बिंदुओं की होगी सफाई

नई दिल्ली। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत नगर निगम गुरुग्राम ने जीवीपी मुक्त अभियान शुरू किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महरौली रोड स्थित डीएचबीवीएन कॉलोनी के पास विकसित जीवीपी मुक्त स्थल का निरीक्षण कर अभियान का शुभारंभ किया।अभियान 2 से 11 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान शहर के 21 गार्बेज वर्नेबल पॉइंट्स (जीवीपी) की सफाई कर उन्हें स्वच्छ एवं बेहतर सार्वजनिक स्थलों में बदलने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान का संदेश है—10 दिन, 21 कचरा बिंदु, एक गुरुग्राम।मुख्यमंत्री ने नागरिकों से खुले में कचरा नहीं फेंकने, घरों में कचरे को अलग-अलग रखने और अधिकृत कचरा वाहनों को ही कचरा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए सरकारी व्यवस्था के साथ जनभागीदारी भी जरूरी है।अभियान के तहत गुरुग्राम के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसमें आरडब्ल्यू, दुकानदारों, स्कूलों, युवाओं और स्थानीय नागरिकों से श्रमदान एवं सहयोग की अपील की गई है। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता और कचरा पृथक्करण का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने स्वच्छता की शपथ भी ली।

कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों को नोएडा मीडिया क्लब ने दी श्रद्धांजलि

नीरज पाण्डेय

नोएडा। कोरोना महामारी के दौरान पत्रकारिता का दायित्व निभाते हुए दिवंगत हुए पत्रकारों की स्मृति में शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब के ओर से सेक्टर-73 स्थित स्मृति वन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने की।स्मृति वन में स्थापित स्मारक पर अतिथियों और पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान कोरोना काल की कठिन परिस्थितियों को याद करते हुए पत्रकारों के साहस, समर्पण और जनसेवा के योगदान का स्मरण किया गया।नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान पत्रकारों ने जोखिम उठाकर आमजन तक महत्वपूर्ण सूचनाएं पहुंचाने और जनहित के मुद्दों को सामने रखने का कार्य किया। दिवंगत पत्रकारों का योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा।

आलोक द्विवेदी ने कहा कि कोरोना काल में दिवंगत हुए पत्रकारों की स्मृतियों को संजोना और उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मीडिया क्लब के पदाधिकारी, वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

गांधी जी एवं शास्त्री जी की जयंती पर पॉक्सो अधिनियम को लेकर जागरूकता रैली

नीरज पाण्डेय

गौतमबुद्ध नगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को गौतमबुद्धनगर में पॉक्सो अधिनियम के प्रति जनजागरूकता के लिए रैली निकाली गई। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में आयोजित रैली को जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव तथा न्यायिक अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।रैली दीवानी न्यायालय परिसर से शुरू होकर कलेक्ट्रेट परिसर तक पहुंची। इसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सहभागिता की। छात्रों ने लोगों को पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों, बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।इससे पूर्व सुबह दीवानी न्यायालय के सभाकक्ष में गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। न्यायिक अधिकारियों, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य सदस्यों ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके जीवन, राष्ट्रसेवा और आदर्शों पर प्रकाश डाला।रैली के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, उनके अधिकारों के संरक्षण और बाल यौन अपराधों की रोकथाम के प्रति समाज को संवेदनशील बनाने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने पॉक्सो अधिनियम की जानकारी आमजन तक सरल तरीके से पहुंचाने पर जोर दिया।

एलजी टीएस संधू ने रोहिणी में डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन, 9 अक्टूबर से हॉकी कप की घोषणा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) टीएस संधू ने गुरुवार को रोहिणी में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के बीच लोकप्रिय स्थानीय आरंभ लाइब्रेरी का भी दौरा किया और युवाओं को अनुशासन और दृढ़ संकल्प का मंत्र दिया।रोहिणी के सेक्टर-33 में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन समारोह के दौरान संधू ने घोषणा की कि युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और हॉकी जैसे टीम खेलों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए एलजी कप फॉर हॉकी का आयोजन 9 से 18 अक्टूबर तक किया जाएगा।

यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स करीब 8.11 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और इसका बिल्ट-अप एरिया लगभग 10,974 वर्ग मीटर है। इसे रोहिणी, बाहरी दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आसपास के इलाकों के निवासियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।लाइब्रेरी में छात्रों से बातचीत करते हुए एलजी संधू ने कहा कि इस लाइब्रेरी की छात्रों के बीच काफी मांग है। इसे देखते हुए रोहिणी की लाइब्रेरी का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए ऊपरी मंजिल का इस्तेमाल करते हुए 40 से अधिक अतिरिक्त सीटें बनाई जाएंगी।लाइब्रेरी के दौरे के बाद उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह के साथ रोहिणी के सेक्टर-11 स्थित डीडीए की आरंभ लाइब्रेरी का दौरा किया और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ समय बिताया। उनके साथ बैठकर उनकी तैयारी, चुनौतियों और दबाव के बारे में जाना और अपने छात्र जीवन के अनुभव भी उनके साथ साझा किए।एलजी संधू ने एक्स पर कहा, ह्लमेरा संदेश सरल था: सकारात्मक, नियमित और अनुशासित रहें। असफलताओं को सफलता की सीढ़ी बनाएं और अपने लक्ष्य से कभी नजर न हटाएं।

बीटा-2 पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार, 11 लाख के आभूषण बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा-2 पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान सारमिन उर्फ शम्भू पुत्र इतवारी, निवासी बादशाह कॉलोनी, थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपी को 2 अक्टूबर 2026 को लेबर गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से करीब 11 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और एक अवैध चाकू बरामद किया गया है। बरामद सामान में तीन नेकलेस, दो मांग टीका, दो बारीक चेन, दो पाजेब, दो सैम्पल, एक हार, एक ब्रेसलेट, बच्चों के चार कड़े और चार बिछुए शामिल हैं।पुलिस के मुताबिक आरोपी बंद पड़े मकानों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। बीटा-2 क्षेत्र के अल्फा-1 और अल्फा-2 में चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और सर्विलांस की मदद ली, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ बीटा-2 और सूरजपुर थानों में चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट समेत कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

आजादपुर मंडी के फुटपाथ होंगे खाली, दिसंबर में बनेगा अटल चौक

नई दिल्ली। आजादपुर मंडी के सामने और आसपास की सड़कों के फुटपाथ जल्द खाली कराए जाएंगे। सेंट्रल वर्ज, अंडरपास और दीवारों की सफाई के साथ चित्रकारी कर उन्हें संवारा जाएगा। गांधी जयंती पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यहां सफाई अभियान में हिस्सा लिया और अधिकारियों को ये निर्देश दिए। क्षेत्र में दिसंबर तक अटल चौक बनेगा।सीएम ने फुटपाथ पर फल विक्रेताओं के अतिक्रमण, सेंट्रल वर्ज की सफाई, जल निकासी और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को ऐसी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए, जिससे फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए सुगम रहे और फल विक्रेताओं की रोजी-रोटी भी प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने फल विक्रेताओं और श्रमिकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि आजीविका के लिए काम करने वालों का ध्यान रहे, लेकिन फुटपाथ पर पैदल चलने वालों को परेशानी न हो। उन्होंने विक्रेताओं और श्रमिकों से काम खत्म होने के बाद कूड़ा सड़क या फुटपाथ पर न छोड़ने की अपील की।मुख्यमंत्री ने बताया कि क्षेत्र में विकसित किए जा रहे चौक पर दिसंबर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित करने की योजना है। चौक का नाम अटल चौक रखा जाएगा।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री सत्य, सादगी और लोक कर्तव्य के प्रतीक : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी ने यह दिखाया कि नैतिक साहस किसी राष्ट्र को दिशा दे सकता है, जबकि भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री ने यह सिद्ध किया कि सादगी, ईमानदारी और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा नेतृत्व के सर्वोच्च मानदंड निर्धारित कर सकती है। उनका जीवन हमें निरंतर यह स्मरण कराता है कि सार्वजनिक जीवन की वास्तविक शक्ति चरित्र, संकल्प और राष्ट्रसेवा में निहित होती है। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की 157वीं जयंती तथा भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कही।इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधायक अजय महावर, करनैल सिंह, राज कुमार भाटिया और संजय गोयल ने भी दोनों महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित की।विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अवसर भारत के राष्ट्र-निर्माण की दो विशिष्ट, किंतु गहराई से जुड़ी हुई परंपराओं को सामने लाता है। महात्मा गांधी ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र में सत्य, अहिंसा और नैतिक आचरण को स्थापित किया तथा नैतिक संकल्प को

सामूहिक जनशक्ति के एक प्रभावी साधन में परिवर्तित किया। वहीं, भारत की यात्रा के एक अलग दौर में लाल बहादुर शास्त्री अनुशासन, विनम्रता और राष्ट्रीय चुनौतियों के समय दृढ़ नेतृत्व के प्रतीक बने।विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इसलिए दोनों महापुरुषों की जयंती का एक ही दिन होना केवल स्मरण का अवसर नहीं है, बल्कि उन मूल्यों पर चिंतन करने का अवसर भी है, जो भारत के लोकतांत्रिक और संस्थागत जीवन को निरंतर दिशा प्रदान करते रहने चाहिए।

भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की विरासत का स्मरण करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि उनका जय जवान, जय किसानह्व का आह्वान देश के सैनिकों और किसानों के प्रति सम्मान की स्थायी अभिव्यक्ति बना तथा राष्ट्रीय जीवन में उनकी केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी के नेतृत्व ने यह प्रदर्शित किया कि पद और अधिकार का अर्थ आडंबर नहीं है तथा निर्णायक शासन-व्यवस्था व्यक्तिगत सादगी के साथ भी कायम रह सकती है। भारत के इतिहास के एक चुनौतीपूर्ण दौर में राष्ट्रीय विश्वास को प्रेरित करने की उनकी क्षमता, अध्यक्ष ने कहा, उनके सार्वजनिक जीवन को ऐसी प्रासंगिकता प्रदान करती है, जो उनके कार्यकाल से कहीं आगे तक बनी हुई है।विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इन महान विभूतियों की विरासत को सम्मान देने का सबसे सार्थक तरीका यह सुनिश्चित करना है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं जिम्मेदारी, पारदर्शिता और जनोन्मुखी कार्यप्रणाली के माध्यम से नागरिकों का विश्वास निरंतर कायम रखें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शक्ति का वास्तविक आकलन इस बात से होता है कि संस्थाएं उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन कितनी गंभीरता से करती हैं और नागरिकों के बीच कितना विश्वास उत्पन्न करती हैं। अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली विधानसभा भारत की लोकतांत्रिक विरासत को सुदृढ़ बनाए रखने के साथ-साथ संस्थागत गरिमा, जवाबदेही और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

दिल्ली की अदालत ने 2018 के गोलीबारी और लूट मामले में दो लोगों को बरी किया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 में एक मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति से लूटपाट करने और गोली मारने के आरोपी दो लोगों को बरी कर दिया है।अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनकी हमलावरों के रूप में पहचान स्थापित करने में विफल रहा और बरामद पिस्तौल को गोलीबारी से वैज्ञानिक तरीके से जोड़ नहीं सका।अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ट्विंकल वाधवा ने दीपक उर्फ गोलू और शानू उर्फ फुरकान के खिलाफ मामले की सुनवाई की। दोनों पर करावल नगर थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।अदालत ने गत 28 सितंबर के आदेश में कहा कि चश्मदीद गवाह ने आरोपियों की पहचान नहीं की और अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपना मामला उचित संदेह से परे साबित नहीं कर पाया है।अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता आस मोहम्मद ही घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह था और अभियोजन पक्ष के मामले की पुष्टि के लिए न तो कोई सीसीटीवी फुटेज थी और न ही कोई अन्य चश्मदीद गवाह था।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम और कचरा पृथक्करण को लेकर निगम की विशेष बैठक आयोजित

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ठोस कचरा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने, कचरे के स्रोत पर पृथक्करण को बढ़ावा देने तथा स्वच्छता व्यवस्था में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को निगम की विशेष बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता उप-महापौर डॉ. मोनिका पंत ने की। इस बैठक में पार्षदों ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026, चार-तरीके से कचरा पृथक्करण, सर्कुलर इकोनॉमी, बल्क वेस्ट जनरेटर के पंजीकरण तथा स्वच्छता कर्मियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।बैठक के दौरान मुख्य अभियंता द्वारा पार्षदों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 के विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कचरे के स्रोत पर ही उचित पृथक्करण, कचरे के वैज्ञानिक संग्रहण एवं प्रबंधन, पुनर्चक्रण तथा संसाधनों के पुनः उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही चार तरीके से कचरा पृथक्करण की आवश्यकता पर जानकारी देते हुए उपमहापौर ने बताया कि घरों, संस्थानों, बाजारों तथा अन्य प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को निर्धारित श्रेणियों में अलग-अलग रखना ठोस कचरा प्रबंधन की पूरी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने पार्षदों को इस दिशा में जन-जागरूकता एवं व्यवहार परिवर्तन अभियान चलाने की आवश्यकता से भी अवगत कराया।उप-महापौर डॉ.मोनिका पंत ने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए नियमों की जानकारी, उनके जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी तीनों का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निगम के निर्वाचित प्रतिनिधि अपने-अपने वार्डों में नागरिकों, आरडब्ल्यूए, बाजार संगठनों, संस्थानों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर कचरा पृथक्करण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।उन्होंने कहा कि कचरे का स्रोत पर ही उचित पृथक्करण होने से उसके संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण की पूरी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

सार समाचार

दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के चलते 11 मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री-एग्जिट बंद

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला ब्लास्ट मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने बड़ी कार्रवाई की है। कोर्ट ने गुरुवार को मामले के सभी 11 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 21 नवंबर तक बढ़ा दी है।सभी 11 आरोपियों को गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने उनकी हिरासत बढ़ाने का फैसला सुनाया। राऊज एवेन्यू कोर्ट की एनआईए कोर्ट अब इस मामले में आरोपियों के खिलाफ चार्ज फ्रेम करने पर अगली सुनवाई 21 नवंबर को करेगी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने एनआईए द्वारा दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लिया था।बता दें कि 10 नवंबर 2025 को दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके के मामले में एनआईए ने पिछले महीने 75,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए ने कुल 12 आरोपियों के खिलाफ यह चार्जशीट दाखिल की है। जांच एजेंसी के मुताबिक, इस धमाके का मुख्य साजिशकर्ता उमर उन नबी था, जो खुद आत्मघाती हमलावर था और धमाके में मारा गया था। उसका नाम भी चार्जशीट में शामिल है।एनआईए ने चार्जशीट में उमर उन नबी के अलावा जिन लोगों के नाम शामिल किए हैं, उनमें जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहमद भट्ट, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद, जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश, डॉ. आदिल अहमद, यासिर अहमद डार, और डॉ. मुजम्मिल शकील, आमिर राशिद अली, अहमद डार और शोएब के नाम शामिल हैं।इस ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हुई थी और 24 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। यह धमाका 10 नवंबर 2025 को हुआ था, जिसने पूरी राजधानी को दहला दिया था। एनआईए इस मामले की गहन जांच कर रही है और 75 हजार पन्नों की चार्जशीट में कई अहम खुलासे किए गए हैं। अब सभी की नजर 21 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर है।

आप नेता आतिशी, भारद्वाज, संजय सिंह और छात्रों सहित 700 लोग हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं सौरभ भारद्वाज, संजीव झा, आतिशी और संजय सिंह के साथ-साथ कुछ छात्र संगठनों के कार्यकताओं सहित 700 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।राजनीतिक दल और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) तथा अन्य छात्र संगठनों के सदस्य मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।अधिकारियों ने बताया कि स्थल पर किसी भी अनधिकृत जमावड़े को रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।पुलिस ने कहा कि उसने आप नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को नॉर्थ एवेन्यू में रोक दिया, जिससे वह प्रदर्शन स्थल की ओर नहीं बढ़ सके।

आर्य समाज मंदिर में कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने के लिए लिए विशेष हवन यज्ञ

नई दिल्ली। विमान में 33 हजार फीट की ऊंचाई पर यात्रियों की जान बचाने वाले बहादुर पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने के लिए देश भर में प्रार्थनाएं हो रही हैं। दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित आर्य समाज मंदिर में कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी के लिए हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया और उनके जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई।इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के प्रवक्ता विनोद बंसल ने विशेष हवन यज्ञ किया। मंदिर में हुए विशेष यज्ञ में विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), आर्य समाज और अन्य सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।वहीं, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दशाश्वमेध घाट पर फ्लाईदुबई के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र के लिए विशेष गंगा और भगवान शिव की आरती की गई। इसमें स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कैप्टन के बहादुरी को सराहा।

बता दें कि कैप्टन स्मित मच्छार फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट हैं, जिन्होंने 30 सितंबर को हवा में हुए एक खतरनाक हमले के दौरान 174 यात्रियों की जान बचाई थी। उड़ान के दौरान उनके सह-पायलट ने अचानक कॉकपिट में उन पर चाकू से हमला कर दिया और विमान को क्रैश करने की कोशिश की। इस हमले के कारण विमान 30 सेकंड से भी कम समय में लगभग 14 हजार फीट नीचे आ गया।गंभीर रूप से घायल होने और बहुत ज्यादा खून बहने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने हमले का जवाब दिया और क्रू की मदद से कॉकपिट को सुरक्षित किया।इसके बाद फ्लाइट की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जिससे सभी यात्री सुरक्षित बच गए। कैप्टन स्मित मच्छार के पास कमर्शियल फ्लाइंग का 13 साल से ज्यादा का अनुभव है और वे 9,750 घंटे से ज्यादा उड़ान भर चुके हैं। देशभर के लोग अब उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

दीपावली-छठ पर रेलवे चलाएगा विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने कई विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों से दिल्ली को पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम के प्रमुख शहरों से जोड़ा जाएगा।रेलवे के अनुसार, अमृतसर-बरौनी-अमृतसर विशेष ट्रेन संख्या 04668 प्रत्येक रविवार को चार अक्तूबर से 29 नवंबर

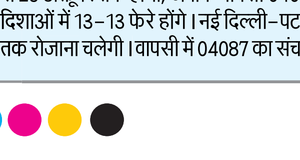

तक चलेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04667 प्रत्येक मंगलवार को छह अक्तूबर से एक दिसंबर तक संचालित होगी। नई दिल्ली-दानापुर विशेष ट्रेन संख्या 04090 दो अक्तूबर से 20 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04089 तीन अक्तूबर से 21 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को दानापुर से शाम 4 :40 बजे रवाना होगी। इसी तरह प्रयागराज-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन संख्या 04183 20 अक्तूबर से एक दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार को प्रयागराज से दोपहर 3 :25 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 11 :35 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में 04184 प्रत्येक बुधवार को 21 अक्तूबर से दो दिसंबर तक दोपहर 3 :45 बजे हजरत निजामुद्दीन से रवाना होगी।इसी तरह दिल्ली-कामाख्या विशेष ट्रेन संख्या 04076 तीन अक्तूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। वापसी में 04075 पांच अक्तूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को संचालित होगी। वहीं, नई दिल्ली-गया विशेष ट्रेन 04064 का संचालन 11 से 25 अक्तूबर तक होगा, जबकि वापसी 04063 से 12 से 26 अक्तूबर तक होगी। दोनों दिशाओं में 13-13 फेरे होंगे। नई दिल्ली-पटना विशेष ट्रेन 04088 दस से 25 अक्तूबर तक रोजाना चलेगी। वापसी में 04087 का संचालन 11 से 26 अक्तूबर तक रोजाना होगा।

एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह को वीरता पदक, सीएम योगी ने किया सम्मानित

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह को उनकी बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया गया। लखनऊ में आयोजित पुलिस अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें पदक प्रदान किया। उनके सम्मान से गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में खुशी का माहौल है। स्वतंत्र कुमार सिंह की वीरता का प्रमुख प्रसंग वर्ष 2022 में गाजियाबाद के वेव सिटी क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ से जुड़ा है। उपलब्ध आधिकारिक विवरण के अनुसार, कुख्यात अपराधी राकेश के खिलाफ चलाए गए अभियान में वह पुलिस टीम का हिस्सा थे। मुठभेड़ के दौरान अपराधियों की गोली उनकी बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी, लेकिन उन्होंने अभियान से पीछे हटने के बजाय टीम के साथ कार्रवाई जारी रखी। इस साहसिक कार्रवाई के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

स्वतंत्र कुमार सिंह पुलिस सेवा के साथ निशानेबाजी में भी अपनी पहचान बना चुके हैं। वह 12 बोर निशानेबाजी के नेशनल शूटर हैं। वर्ष 2022 की राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में उन्होंने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य समेत कुल पांच पदक हासिल किए थे। वर्ष 2012 बैच के पीपीएस अधिकारी स्वतंत्र कुमार सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। लखनऊ में तैनाती के दौरान चोरी की बड़ी संख्या में कारों की बरामदगी से जुड़े अभियान में भी उनकी भूमिका रही। कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए उन्हें पहले भी सम्मान मिल चुका है।

मार्च 2026 में उन्हें एसीपी से एडीसीपी पद पर पदोन्नति मिली थी। इसके बाद मई 2026 में उन्हें एडीसीपी सेंट्रल नोएडा की जिम्मेदारी सौंपी गई। वर्तमान में वह क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

मुख्यमंत्री के हाथों वीरता पदक प्राप्त करना स्वतंत्र कुमार सिंह के पुलिस करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। उनके सम्मान को गौतमबुद्धनगर पुलिस के लिए भी गौरव का विषय माना जा रहा है।

बिजली-पानी की मांग को लेकर 24 दिन से धरने पर डूब क्षेत्र के निवासी, थाने का घेराव करने निकले

नोएडा। डूब क्षेत्र में बिजली और पानी की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर निवासी पिछले 24 दिनों से धरने पर बैठे हैं। मांगों का समाधान नहीं होने पर गुरुवार को प्रदर्शनकारी थाने का घेराव करने के लिए निकल पड़े। इससे क्षेत्र में हलचल की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारी पृथला ब्रिज के नीचे पहुंचे, जहां पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारियों ने उनसे बातचीत की। अधिकारियों ने उनकी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने थाने का घेराव करने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया और वापस धरना स्थल पर लौट गए। प्रदर्शन के दौरान स्थायी बिजली मीटर लगाए जाने से संबंधित शासन के आदेश का भी हवाला दिया गया। निवासियों का कहना है कि डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। उनका आरोप है कि लंबे समय से मांग उठाए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने फिलहाल थाने के घेराव का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। हालांकि, धरना समाप्त हुआ है या आगे भी जारी रहेगा, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। अब संबंधित विभागों की कार्रवाई पर प्रदर्शनकारियों की अगली रणनीति निर्भर करेगी।

चेन स्नैचिंग के आरोपी को मुठभेड़ के बाद दबोचा, पैर में लगी गोली

–कनावनी रोड पर चेकिंग के दौरान पुलिस पर फायरिंग का आरोप

– तमंचा, कारतूस, चोरी की बाइक और पीली धातु का टुकड़ा बरामद

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना पुलिस ने बुधवार देर रात कनावनी रोड पर हुई मुठभेड़ के बाद चेन और मोबाइल स्नैचिंग के एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनु उर्फ मनु दजर, निवासी गरिमा गार्डन, साहिबाबाद के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 23 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार इंदिरापुरम थाना टीम कनावनी रोड पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कनावनी पुस्ता की ओर से बाइक पर एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। पुलिस का आरोप है कि पीछा किए जाने पर युवक ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसके पैर में गोली लगी। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य के बताया कि पूछताछ में आरोपी ने दिल्ली-एनसीआर और गाजियाबाद के अलग-अलग इलाकों में बाइक और स्कूटी बदलकर चेन व मोबाइल स्नैचिंग करने की बात बताई है। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने करीब दो सप्ताह पहले इंदिरापुरम क्षेत्र में हुई चेन स्नैचिंग की एक घटना में भी शामिल होने की जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि स्नैचिंग की घटनाओं से मिलने वाली चेन और मोबाइल बेचकर प्राप्त रकम वह खाने-पीने और अपने शौक पर खर्च करता था। पुलिस अब उसके बताए गए स्थानों और घटनाओं का सत्यापन कर रही है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, चोरी की बाइक और पीली धातु का एक टुकड़ा बरामद करने का दावा किया है। बरामद बाइक के संबंध में भी पुलिस जांच कर रही है कि वह कहां से चोरी की गई थी, आरोपी के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न थानों में लूट, स्नैचिंग, चोरी और आर्म्स एक्ट समेत 10 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एनएच-9 के फुटओवर ब्रिज पर युवक का लहूलुहान शव, हत्या की आशंका

–सुंदरदीप के सामने मिला करीब 37 वर्षीय युवक का शव

–सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान, पहचान में जुटी पुलिस

गाजियाबाद। एनएच-9 पर सुंदरदीप के सामने स्थित फुटओवर ब्रिज पर गुरुवार सुबह करीब 37 वर्षीय युवक का लहूलुहान शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस हत्या की आशंका से भी मामले की पड़ताल कर रही है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। एसीपी वेव सिटी प्रियश्री पाल ने बताया कि सुबह करीब 8:40 बजे पीआरवी के माध्यम से फुटओवर ब्रिज पर शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही वेव सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए गए। शव की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक ने काला लोअर और टी-शर्ट पहन रखी थी। उसके पास ऐसा कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला, जिससे तत्काल उसकी पहचान हो सके। इसके बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटानी शुरू कर दी है प्रारंभिक जांच में युवक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। आशंका है कि किसी भारी वस्तु, ईंट या पत्थर से उस पर हमला किया गया हो सकता है। हालांकि पुलिस ने अभी इसे अंतिम रूप से हत्या का कारण या तरीका नहीं माना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चोटों की प्रकृति और मौत के कारण की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवक फुटओवर ब्रिज पर कब पहुंचा और उसके साथ उस समय कौन-कौन मौजूद थे। इसके लिए फुटओवर ब्रिज और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज में किसी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या युवक की गतिविधि मिलने पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पहचान होने के बाद पुलिस परिजनों से संपर्क कर घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाएगी। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बोटेनिकल गार्डन से यमुना एक्सप्रेसवे तक सफर होगा आसान, चार नए रूटों पर चलेंगी ई-सिटी बसें

नोएडा। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण 10 नई ई-सिटी बसें चलाने की तैयारी कर रहा है। इन बसों के लिए चार नए रूट निर्धारित किए गए हैं। इनके संचालन से नोएडा के अंदरूनी सेक्टरों के साथ ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसपी सिंह के अनुसार, नई बसें सेक्टर-137 से सेक्टर-12/22, बोटेनिकल गार्डन से एकमूर्ति, बोटेनिकल गार्डन से मिजार्पुर कट और बोटेनिकल गार्डन से परी चौक के बीच चलेंगी। वर्तमान में नोएडा में 60, ग्रेटर नोएडा में 50 और यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में 25 बसें संचालित हो रही हैं। पहले रूट पर बस सेक्टर-137 से चलकर एडवांट, सेक्टर-142, पंचशील इंटर कॉलेज, सेक्टर-96 स्थित नोएडा प्राधिकरण कार्यालय, महामाया इंटर कॉलेज, सेक्टर-37, बोटेनिकल गार्डन, अट्टा पीर, सेक्टर-27 स्टाफ कॉलोनी, डीएम चौराहा, सेक्टर-21ए मोदी मॉल, सेक्टर-10 लालबत्ती और चौड़ा मोड़ होते हुए सेक्टर-12/22 पहुंचेगी। वापसी में बस सेक्टर-12/22 से चौड़ा मोड़, सेक्टर-10 लालबत्ती, टेलीफोन एक्सचेंज, सेक्टर-19, डीएम चौराहा, सेक्टर-27, स्टाफ कॉलोनी, इंदिरा मार्केट, सेक्टर-18 अंडरपास और सेक्टर-37 होते हुए सेक्टर-137 जाएगी।

दूसरे रूट पर बस बोटेनिकल गार्डन से गोल्फ कोर्स, सिटी सेंटर और चार मूर्ति होते हुए एकमूर्ति पहुंचेगी। वापसी में भी बस इसी मार्ग से संचालित होगी। तीसरे रूट पर बोटेनिकल गार्डन से मिजार्पुर कट तक बस चलेगी। इस मार्ग में एडवांट, परी चौक, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय और गलगोटिया विश्वविद्यालय शामिल हैं। इसके बाद बसें यमुना एक्सप्रेसवे की ओर जाएंगी। वापसी भी इसी रूट से होगी। चौथे रूट पर बोटेनिकल गार्डन से परी चौक तक बस चलेगी। यह बस सेक्टर-94 ओखला बर्ड सेंचुरी, सेक्टर-125 एमिटी यूनिवर्सिटी, सेक्टर-126 रायपुर, सेक्टर-127 बख्तावरपुर, सेक्टर-128 सुल्तानपुर गांव, जेपी अस्पताल और सेक्टर-132, 135, 168, 164, 163, 158, 156 व 155 होते हुए सेक्टर-150 कोंडली गांव पहुंचेगी। इसके बाद बस सेक्टर-148 मेट्रो स्टेशन और नॉलेज पार्क-2 मेट्रो स्टेशन होते हुए परी चौक जाएगी। इस रूट से नोएडा-ग्रेटर नोएडा के कई गांव और सेक्टर सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क से जुड़ेंगे। नई बसों के संचालन से मेट्रो स्टेशनों, शैक्षणिक संस्थानों, प्रमुख सेक्टरों और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र तक आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा के 95 सेक्टरों और 124 गांवों के विकास को रफ्तार, स्मार्ट सिटी की तर्ज पर बनेगी पीएम

–ग्रेनो प्राधिकरण स्मार्ट सिटी की तर्ज पर पीएमयू का गठन करेगा

–यह यूनिट विकास कार्यों की सघन निगरानी और बेहतर योजना बनाएगी

ग्रेटर नोएडा। बढ़ते विकास कार्यों की निगरानी और बेहतर योजना के लिए प्राधिकरण अब प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट बनाएगा। सीईओ रवि कुमार एनजी की मंजूरी के बाद एजेंसी के माध्यम से विशेषज्ञों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बेहतर प्रदर्शन करने पर यूनिट को दो साल का सेवा विस्तार भी दिया जा सकेगा। ग्रेटर नोएडा का दायरा लगातार बढ़ रहा है। शहर में करीब 95 सेक्टर और 124 गांव शामिल हैं, जिन्हें आठ अलग-अलग वर्क सर्किल में बांटा गया है। इतने बड़े क्षेत्र में विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों की निगरानी और नई नीतियां तैयार करने के लिए विशेषज्ञों वाली ढटव बनाने की जरूरत महसूस की गई है। इसे स्मार्ट सिटी की तर्ज पर तैयार किया जाएगा।

ढटव की प्रमुख जिम्मेदारियों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, वायु प्रदूषण प्रबंधन और खेल सुविधाओं का विकास शामिल रहेगा। इसके अलावा संपत्तियों की उच्च बोली के साथ बिक्री व लीज डीड की प्रक्रिया में भी विशेषज्ञ सहायता दी जाएगी। यूनिट सीवरेज प्रबंधन, अलग-अलग परियोजनाओं की बिड प्रक्रिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए बेहतर नीतियों की सिफारिश भी करेगी। सीईओ के मुताबिक ढटव बनने से कांट्रैक्टर, सेवा प्रदाता एजेंसियों और अधिकारियों के बीच समन्वय बेहतर होगा। इससे परियोजनाओं की निगरानी और खरीद प्रबंधन में प्राधिकरण को पेशेवर और तकनीकी सहायता मिलेगी। PMU हितधारकों से जुड़ाव में भी मदद करेगी। प्राधिकरण का मानना है कि इससे बुनियादी ढांचे और शहरी विकास को गति मिलेगी और आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। विशेषज्ञों की तैनाती एजेंसी के माध्यम से की जाएगी। ढटव के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद बेहतर काम करने पर इसे दो साल का सेवा विस्तार भी दिया जा सकेगा।

ऑटो की फ्रंट सीट पर अतिरिक्त सीट लगाई तो होगा चालान, यातायात पुलिस अलर्ट

– चार दिन में करीब 2000 ऑटो से अतिरिक्त सीटें हटवाई

गाजियाबाद। ऑटो रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने और चालक की सीट के आगे अतिरिक्त सीट लगाकर यात्रियों को बैठाने के खिलाफ गाजियाबाद यातायात पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। 28 सितंबर से शुरू हुआ यह अभियान सात दिन तक चलेगा। पुलिस का कहना है कि ऑटो की फ्रंट सीट पर अतिरिक्त सीट लगाना चालक के साथ-साथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी जोखिम पैदा करता है। अभियान के पहले चरण में यातायात पुलिस ऑटो चालकों को अलग-अलग माध्यमों से जागरूक कर रही है। चालकों को समझाया जा रहा है कि वे ऑटो की फ्रंट सीट पर अतिरिक्त सीट लगाकर सवारियों को न बैठाएं और निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही यात्रियों का परिवहन करें। अपर पुलिस उपायुक्त यातायात वरुण कुमार सिंह के मुताबिक, अभियान के शुरूआती चार दिनों में करीब 2000 ऑटो रिक्शा से फ्रंट सीट पर लगाई गई अतिरिक्त सीटें हटवाई जा चुकी हैं। यातायात पुलिस की टीमें लगातार अलग-अलग स्थानों पर ऑटो चालकों को जागरूक कर रही हैं। अभियान के दूसरे चरण में प्रवर्तनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, जागरूक किए जाने के बावजूद यदि किसी ऑटो चालक ने फ्रंट सीट पर अतिरिक्त सीट लगाकर सवारी बैठाई तो उसके खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ऑटो को सीज भी किया जा सकता है।

अपर पुलिस उपायुक्त यातायात वरुण कुमार सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य ऑटो चालकों के साथ-साथ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। फ्रंट सीट पर अतिरिक्त सीट लगाकर सवारी बैठाने से दुर्घटना की स्थिति में गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए पहले चरण में चालकों को जागरूक किया जा रहा है।

कनाडा का वर्क वीजा दिलाने के नाम पर ठगी, तीन गिरफ्तार

नोएडा। कनाडा में नौकरी और वर्क वीजा दिलाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का फेस-1 थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने सेक्टर-2 स्थित एक एजुकेशन कंसल्टेंसी में काम करने वाले तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो पुरुष और एक महिला शामिल है। आरोपियों के कब्जे से पांच ग्राहकों के पासपोर्ट, सात मोबाइल फोन और एक थार कार बरामद की गई है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार तीनों आरोपी कंसल्टेंसी में कर्मचारी थे। विदेश जाने के इच्छुक लोगों से संपर्क होने के बाद उन्होंने कनाडा का वर्क वीजा दिलाने का झांसा देकर रकम वसूलनी शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने पांच ग्राहकों के वीजा के लिए आवेदन कराया था। पेपरवर्क, बायोमेट्रिक्स और मेडिकल के नाम पर प्रत्येक ग्राहक से 25 हजार रुपये लिए गए।

इसके बाद आरोपियों ने वीजा प्रक्रिया आगे बढ़ाने और जल्द ही टेंपरेरी रेजिडेंस वीजा दिलाकर कनाडा भेजने का भरोसा दिया। इसके लिए प्रत्येक ग्राहक से 12.50 लाख रुपये और मांगे गए।

पुलिस के अनुसार, गिरोह में शामिल पूजा महाजन ने अपनी पहचान बदलकर खुद को क्रीस्टीन जेनीफर बताया और विदेशी महिला बनकर ग्राहकों से बातचीत करती थी। वहीं आरोपी संदीप सिंह ग्राहकों से अरमान नाम से संपर्क करता था।

पुलेस का दावा है कि संदीप ने ह्यमाई सेकेंड लाइनह्न एप के जरिए कनाडा का वर्चुअल फोन नंबर हासिल किया था। इसी नंबर से वह ग्राहकों से बातचीत करता और खुद के कनाडा में रहने की बात बताकर उन्हें विश्वास में लेता था।

पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच ग्राहकों के पासपोर्ट, सात मोबाइल फोन और एक थार कार बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल कुमार चौहान, संदीप सिंह और पूजा महाजन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, तीनों के खिलाफ फेस-1 थाने में बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(3) और 340(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गिरोह ने कितने लोगों को अपना शिकार बनाया तथा इससे जुड़े अन्य लोग कौन-कौन हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाजार में फल विक्रेता पर बैग चोरी करने का आरोप

दादरी। कस्बे के बाजार में एक विधवा महिला का बैग चोरी कर लिया गया। महिला ने एक फल विक्रेता पर बैग चोरी करने का आरोप लगाया है। बैग में महिला के कपड़े और गहने थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक साकीपुर गांव निवासी विधवा महिला मीना देवी ने पुलिस को बताया कि वह करीब बीस दिन पहले अपने मायके जा रही थीं। वह दादरी में रेलवे रोड पर पहुंचीं तो उन्होंने अपना बैग एक फल विक्रेता की ठेली के पास रख दिया और ताला खरीदने लगी। इसी बीच बैग चोरी हो गया। उन्होंने बैग के बारे में फल विक्रेता से पूछा तो उसने कुछ जबाव नहीं दिया। उन्होंने शोर मचाने का प्रयास किया तो फल विक्रेता ने कहा कि शोर मत मचाना बैग मिल जाएगा। महिला का आरोप है कि आरोपी पिछले बीस दिन से उनको टरका रहा है। बैग वापस नहीं कर रहा। पीड़िता ने परेशान होकर पुलिस से शिकायत की है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिए गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके बाद घटना का खुलासा किया जाएगा।

अवैध पटाखों के साथ आरोपी गिरफ्तार

दादरी। बादलपुर कोतवाली पुलिस ने अवैध पटाखों की बिक्री और शराब की तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान नरेश शर्मा के रूप में हुई। वह खेड़ा धर्मपुरा गांव का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार प्लास्टिक के कट्टे भरे अवैध पटाखे, 25 किलोग्राम गंधक, 25 पैकेट पोटाश, 25 पव्वे देसी शराब बरामद की। शराब दिल्ली राज्य की थी। पुलिस आरोपी को पटाखे उपलब्ध कराने वालों की जानकारी जुटा रही है।

स्टंट का भ्रामक वीडियो वायरल करने वालों पर केस दर्ज

नोएडा। पुलिस ने थार से स्टंट करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। इसके बावजूद कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो डालकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। इस मामले में सेक्टर-126 थाने के उपनिरीक्षक ने मुकदमा दर्ज करवाया है। एफआईआर में बताया गया है कि सेक्टर-125 स्थित नामी विश्वविद्यालय के पास स्टंट करने का वीडियो वर्ष 2024 में वायरल हुआ था। इस मामले में पुलिस ने उसी समय मुकदमा कर विधिक कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो बुधवार से वायरल हो रहा है, जिसमें थार से स्टंट किया जा रहा है। इस वीडियो को काट-छांटकर तोड़-मरोड़कर भ्रामक रूप से एक बार फिर वायरल कर जनता में भ्रम उत्पन्न किया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के लिए 3 अक्टूबर तक आवेदन

गौतमबुद्धनगर। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत इच्छुक अभ्यर्थी 3 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के चयन के लिए 5 और 6 अक्टूबर को साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, गौतमबुद्धनगर के उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण ने बताया कि योजना के अंतर्गत निर्धारित अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयन के लिए साक्षात्कार दोनों दिन सुबह 11 बजे से होगा। साक्षात्कार का आयोजन उपायुक्त उद्योग कार्यालय, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, सूरजपुर, कलेक्ट्रेट के निकट/पीछे, इकोटेक-2, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर में किया जाएगा। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए रविंद्र कुमार के मोबाइल नंबर 9456671832 पर संपर्क किया जा सकता है।

इंदिरापुरम में इंस्टामार्ट गोदाम में लगी भीषण आग

डीसीपी ट्रांस हिंडन ऋजुल ने संभाली मौके की कमान

- फर्नीचर की दुकानों से होते हुए पीछे की इमारतों तक पहुंचीं लपटें
- दमकल की 10-12 गाड़ियों ने संभाला मोर्चा, SDRF भी मौके पर
- लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, आग में किसी जनहानि की सूचना नहीं

गाजियाबाद। इंदिरापुरम के नीतिखंड क्षेत्र में गुरुवार शाम इंस्टामार्ट के गोदाम में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। आसपास फर्नीचर की दुकानें होने के कारण आग तेजी से फैली और पीछे स्थित कुछ फ्लैट भी इसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आसपास की इमारतों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

डीसीपी ट्रांस हिंडन ऋजुल ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य की निगरानी की। उन्होंने बताया कि शाम करीब चार बजे नीतिखंड में इंस्टामार्ट के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। आग आसपास की फर्नीचर दुकानों और पीछे स्थित कुछ फ्लैटों तक पहुंच गई थी। पुलिस और दमकल की टीमों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। करीब 10 से 12 दमकल गाड़ियां मौके पर लगाई गईं और SDRF टीम को भी बुलाया गया। आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। पूरी तरह आग बुझाने के लिए नोएडा, मेरठ और हापुड़ से भी दमकल की गाड़ियां मंगाई गई हैं। घटना में अभी तक किसी जनहानि या व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है और आग पूरी तरह बुझने के बाद इसकी विस्तृत जांच की जाएगी।

घर-घर पहुंची पुलिस, एक महिला को कुत्ते के साथ निकाला

आग की सूचना के बाद आसपास के चार-पांच थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और दमकलकर्मियों ने प्रभावित इमारतों के फ्लैट एक-एक कर चेक किए। इसी दौरान एक महिला अपने पालतू कुत्ते के साथ एक फ्लैट में मौजूद मिली। टीम ने महिला और उसके कुत्ते को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

फर्नीचर की दुकानों और फ्लैटों में सामान जला

गोदाम के आसपास फर्नीचर की दुकानें होने के कारण आग तेजी से फैल गई। कुछ दुकानों के साथ पीछे स्थित दो-तीन फ्लैटों में भी रखा सामान प्रभावित हुआ। पुलिस ने एहतियात के तौर पर इन इमारतों को खाली कराया, जिससे लोग आग और धुएं की चपेट में आने से बच गए। आग की तीव्रता को देखते हुए गाजियाबाद के अलावा नोएडा, मेरठ और हापुड़ से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। करीब 10-12 दमकल वाहन मौके पर आग बुझाने में जुटे रहे। SDRF की टीम ने भी राहत एवं बचाव कार्य में मोर्चा संभाला।

कारण की जांच आग बुझने के बाद

फिलहाल प्राथमिकता आग को पूरी तरह बुझाने और प्रभावित इमारतों को सुरक्षित करने की है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। आग पूरी तरह शांत होने के बाद घटनास्थल की विस्तृत जांच की जाएगी और जरूरत पड़ने पर फॉरेंसिक टीम की मदद भी ली जाएगी। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें देर शाम तक घटनास्थल पर मौजूद रहीं और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत किसानों को चूहा-छछूंदर नियंत्रण की जानकारी

गौतमबुद्धनगर। संचारी रोग नियंत्रण अभियान-2026 के तीसरे चरण के तहत कृषि विभाग की ओर से किसानों को चूहा और छछूंदर नियंत्रण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत 1 से 31 अक्टूबर तक जिले के तीन विकासखंडों की 82 ग्राम पंचायतों में जनजागरूकता गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक दुबे ने बताया कि गोष्ठियों में किसानों को चूहा और छछूंदर से होने वाले संभावित रोगों की रोकथाम तथा इनके प्रभावी नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि संचारी रोगों के प्रसार में चूहा और छछूंदर भी एक कारण हो सकते हैं। इसे देखते हुए विभाग की ओर से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने किसानों से घरों और आसपास के क्षेत्रों को चूहा-छछूंदर मुक्त रखने तथा झाड़ियों, कूड़े-कचरे और अन्य स्थानों पर बने बिलों की नियमित निगरानी एवं साफ-सफाई करने की अपील की। किसानों को विभाग द्वारा अनुमोदित रसायनों और चारे का प्रयोग निर्धारित सावधानियों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार करने की जानकारी भी दी जा रही है।

रसायनों के इस्तेमाल के दौरान बच्चों और पशुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है। अभियान के दौरान किसानों को चूहा नियंत्रण की छह दिवसीय प्रक्रिया के बारे में भी बताया जा रहा है। पहले दिन घर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर सक्रिय बिलों को चिन्हित करने, दूसरे और तीसरे दिन खुले बिलों की पहचान कर बिना विष वाला चारा रखने तथा चौथे दिन विभागीय निर्देश के अनुसार अनुमोदित विषाक्त चारे का प्रयोग करने की जानकारी दी गई। पांचवें दिन बिलों का निरीक्षण कर मृत चूहों का सुरक्षित निस्तारण और छठे दिन बिलों को दोबारा बंद करने की प्रक्रिया बताई जा रही है। यदि इसके बाद भी बिल खुले मिलते हैं तो निर्धारित प्रक्रिया को दोहराने की सलाह दी गई है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान किसानों को चूहा-छछूंदर नियंत्रण के साथ स्वच्छता और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। संबंधित ग्राम पंचायतों में कृषि विभाग की ओर से प्रचार-प्रसार के माध्यम से अभियान को व्यापक बनाया जा रहा है।

संपादकीय

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

अनीता यादव

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया।

चुनाव आयोग में विवाद से मतदाताओं के बीच भरोसे का संकट

राज कुमार सिन्हा

भारतीय चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद को लेकर आई एक रिपोर्ट के बाद देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और बहाल करने, फार्म-6 में बदलाव और मतदाता डेटा के प्रबंधन जैसे मामलों पर सवाल उठाए हैं। दोनों आयुक्तों ने मतदाता डेटा और चुनावी सॉफ्टवेयर के केंद्रीकरण को लेकर भी चिंता जताई थी। सीमा खन्ना चुनाव आयोग में आईटी और डिजिटल सिस्टम की प्रमुख अधिकारी हैं। 22 जनवरी 2026 को चुनाव आयोग ने ईसीआईनेट लॉन्च किया गया था। चुनाव आयोग में विवाद ईसीआईनेट और ईआरओनेट के जरिए मतदाता सूची के प्रबंधन को लेकर है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने सवाल उठाया है कि सीमा खन्ना के नेतृत्व वाले आईटी विभाग ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले इलेक्ट्रॉल रजिस्ट्रेशन आफिसर्स (ईआरओएस) की पहुंच और उनके वैधानिक अधिकारों को सीमित कर दिया है। जिस तरह गोवा में ईआरओ वोटर लिस्ट सिस्टम में बदलाव नहीं कर सके। जबकि उनके पास इसकी वैधानिक ताकत थी। लेकिन केंद्र में बैठी सीमा खन्ना का विभाग इस काम को आसानी से कर रहा था। जबकि उनके पास वोटर लिस्ट सिस्टम में बदलाव या छेड़छाड़ का कोई वैधानिक अधिकार नहीं था। इस विवाद का सबसे अहम उदाहरण गोवा का सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में 97 मतदाताओं के मामलों की स्थानीय ईआरओ स्तर पर जांच हुई और उन्हें मतदाता सूची में शामिल किए जाने के योग्य पाया गया। लेकिन संबंधित नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने में सॉफ्टवेयर और डेटाबेस एक्सेस से जुड़ी समस्या सामने आई। ईआरओ इसे मतदाता सूची सिस्टम में डाल ही नहीं पा रहे थे। गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर ने इस समस्या के समाधान और रोलबैक फैसलिटी उपलब्ध कराने के लिए 11 से 17 फरवरी 2026 के बीच चुनाव आयोग को आठ बार ईमेल भेजा था। इस कम्युनिकेशन में वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश भारती को संबोधित किया गया था और सीमा खन्ना को भी उसकी कॉपी भेजी गई थी। परन्तु केन्द्रीय चुनाव आयोग की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं किया गया। इस मामले में दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सेक्रेटरी को भी पत्र लिखा था। दूसरी ओर 18 वर्ष के नए युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की हर साल होने वाली स्पेशल समरी रिवीजन (एसएसआर) प्रक्रिया 2024 के बाद से लंबित है। हाल के दिनों में निर्वाचन आयोग को लेकर दो स्तरों पर बहस तेज हुई है। पहला सवाल आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर और दूसरा मतदाता सूचियों का एसआईआर को लेकर है। इसके साथ ही आयोग के भीतर निर्णयों पर मतभेद की खबरों ने भी संस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर चर्चा को बढ़ाया है।भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जो संविधान के अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित संस्थागत परंपराओं के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो एक बहुसदस्यीय संवैधानिक निकाय के रूप में कार्य करता है।चुनाव कराने वाली संस्था पर उठते सवाल के कारण उसकी विश्वसनीयता कमजोर हुई है। लोकतंत्र में चुनाव केवल मतपत्र या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव की पूरी व्यवस्था पर नागरिकों का भरोसा लोकतंत्र की वास्तविक ताकत है। दो चुनाव आयुक्तों द्वारा उनकी जानकारी के बिना लिए गए विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर सबंधी निर्णयों पर कई आपत्तियां दर्ज कराई थी।विगत कई वर्षों तक मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संसद द्वारा कोई अलग कानून नहीं बनाया था। मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले में कहा था कि जब तक संसद इस विषय में कानून नहीं बनाती, तब तक नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की समिति की सलाह पर होनी चाहिए। न्यायालय ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए महत्वपूर्ण माना था। इसके बाद संसद ने 2023 में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित कानून बनाया। इस कानून में चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल किया गया। इस व्यवस्था में मुख्य न्यायाधीश को समिति से बाहर कर दिया गया। यही प्रावधान अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती का विषय है। 23 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ में इस मामले पर अलग-अलग मत सामने आए हैं। इसके बाद मामला संविधान पीठ के समक्ष रखे जाने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा गया है। इसका अर्थ यह नहीं है कि नियुक्ति कानून असंवैधानिक घोषित हो गया है, बल्कि अब इसकी संवैधानिक वैधता पर बड़े पीठ के स्तर पर विचार का रास्ता खुला है। यहीं लोकतंत्र का मूल प्रश्न सामने आता है कि चुनाव कराने वाली संस्था जितनी स्वतंत्र दिखाई देगी, चुनाव परिणामों और चुनाव प्रक्रिया पर नागरिकों का विश्वास उतना ही मजबूत होगा।मतदाता सूची लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो मतदान केंद्र पर उसकी राजनीतिक भागीदारी संभव नहीं होगी। इसी कारण मतदाता सूची का शुद्धीकरण एक आवश्यक प्रक्रिया है। निर्वाचन आयोग का तर्क रहा है कि मृत, स्थानांतरित, दोहरे या अपात्र नामों को हटाना जरूरी है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान देश भर में ड्राफ्ट रोल से 13 करोड़ से ज्यादा नाम हटाए जाने से पारदर्शिता पर सवाल खड़ा हो गया है।पात्र नागरिकों के नाम सूची से कट जाने का डर और पूरी सत्यापन प्रक्रिया की जटिलता से आम मतदाता चिंतित है। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर नागरिक संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से यह चिंता सामने आई कि सत्यापन की कठिन प्रक्रिया के कारण वास्तविक मतदाता कहीं सूची से बाहर न हो जाएं।सुप्रीम कोर्ट ने मई 2026 में बिहार एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा, लेकिन मतदाता सूची से जुड़े विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया कि सूची सुधार और मताधिकार संरक्षण के बीच संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। इसलिए किसी भी मतदाता सूची पुनरीक्षण की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितने अपात्र नाम हटाए गए। यह भी देखना होगा कि कितने पात्र नागरिकों के नाम सुरक्षित रहे, कितने नाम हटाए गए लोगों को समय पर सूचना मिली और उन्हें अपना पक्ष रखने तथा अपील करने का वास्तविक अवसर मिला। दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों में आयोग के कुछ निर्णयों, विशेष रूप से एसआईआर से जुड़े मामलों पर कई बार आपत्तियां दर्ज की थी। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमति विचार-विमर्श और निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हो सकती है। महत्वपूर्ण यह है कि अंतिम निर्णय किस कानूनी आधार पर लिया गया और संबंधित सदस्यों को पर्याप्त जानकारी उपलब्ध थी या नहीं? वर्तमान विवाद के बाद चुनाव आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय और प्रशासनिक निर्देश पूर्ण कानूनी स्वीकृति के साथ तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत निर्धारित वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए जारी किया गया है।लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि किसी संस्था की विश्वसनीयता केवल राजनीतिक बयानबाजी के आधार पर तय न हो।बल्कि निर्वाचन आयोग की वास्तविक मजबूती इस बात में होगी कि वह अपने निर्णयों का स्पष्ट कानूनी आधार बताए, राजनीतिक दलों और नागरिकों की आपत्तियों को सुने तथा जहां संभव हो, निर्णय प्रक्रिया से संबंधित पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक करे।

"स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा।"
-बाल गंगाधर तिलक

"यदि किसी देश को भ्रष्टाचार-मुक्त और सुंदर मनों वाला बनाना है, तो तीन लोग ऐसा कर सकते हैं: पिता, माता और गुरु।" -डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आश्विन माह महीने के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि प्रातः 08:00 बजे तक रहेगी, इसके बाद अष्टमी तिथि आरंभ होगी। (इसी दिन कालाष्टमी एवं जितिया/जीवितपुत्रिका व्रत का पूजन विधान रहेगा)। सुबह 11:46 बजे से दोपहर 12:33 बजे तक (किसी भी सामान्य शुभ कार्य के लिए श्रेष्ठ)।

आज जन्म लिए बालक का फल...

जन्म लेने वाले बच्चे की चंद्र राशि मिथुन रहेगी, क्योंकि इस पूरे दिन चंद्रमा मिथुन राशि में ही गोचर करेंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार बच्चे का जन्म आर्द्रा नक्षत्र के अंतर्गत होगा, जिसके स्वामी राहु देव हैं।

मेष राशिः आज आपको लोगों की मदद मिलती रहेगी, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

वृष राशिः करियर में आगे बढने के नए अवसर सामने आएंगे। सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे।

मिथुन राशिः किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

कर्क राशिः आज किसी काम को पूरा करने में कुछ समय लगेगा। आज आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश करेंगे।

सिंह राशिः आपके जीवन में खुशहाली आएगी। आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाएंगे।

कन्या राशिः शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज व्यापार को बढ़ाने के लिए कोई फैसला लेंगे, जिसका फायदा अवश्य मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज की गई व्यापारिक यात्रा से लाभ होगा।

मकर राशिः प्रॉपर्टी डीलर के व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

कुंभ राशिः आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आज आय के नए स्रोत सामने आएंगे।

मीन राशिःआज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

पूर्वजों की स्मृति, संस्कारों की विरासत और आशीर्वाद का पर्व है पितृ पक्ष

योगेश कुमार गोयल

- पूर्वजों के आशीर्वाद का महापर्व है पितृ पक्ष

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार 10 अक्टूबर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात् पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात् सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। ऋषि ऋण से स्वाध्याय के जरिये, देवऋण से यज्ञ के जरिये और पितृ ऋण से श्राद्ध तथा तर्पण द्वारा मुक्ति प्राप्त हो सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों से संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महर्षि वेद व्यास के अनुसार जो व्यक्ति श्राद्ध द्वारा अपने पितरों को संतुष्ट करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त होकर ब्रह्मलोक को जाता है। महर्षि जाबालि के अनुसार अपने पितरों का श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष के दौरान दिन में सोना, असत्य भाषण, रति क्रिया, सिर और शरीर पर तेल, साबुन, इत्र आदि लगाना, मदिरापान करना, लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद, अनैतिक कृत्य तथा किसी भी जीवधारी को कष्ट पहुंचाना निषेध माना गया है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

बच्चों के हाथ में मोबाइल बढ़ा तो बचपन हुआ डिजिटल कैद

कांतिलाल मांडोत

अभिभावकों की जागरूकता से ही मोबाइल की लत पर लग सकता है अंकुश

आज के समय में मोबाइल फोन जीवन की आवश्यकता बन चुका है। पढ़ाई, जानकारी, संवाद और मनोरंजन से लेकर अनेक जरूरी काम स्मार्टफोन के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। लेकिन जब यही सुविधा बच्चों की आदत और फिर लत में बदलने लगे तो यह चिंता का विषय बन जाता है। देश में बच्चों और किशोरों के बीच स्मार्टफोन का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसने अभिभावकों और समाज के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। खासकर 10 से 19 वर्ष की उम्र के बच्चे डिजिटल दुनिया में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में 15 से 19 वर्ष के करीब 49 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे थे, जो 2023 तक बढ़कर 91 प्रतिशत से अधिक हो गया। यानी तीन वर्ष में उपयोग में लगभग 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

बच्चों में स्मार्टफोन की पहुंच केवल किशोरों तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 8 से 18 वर्ष की उम्र के करीब 30 प्रतिशत बच्चों के पास अपना व्यक्तिगत फोन है, जबकि 62 प्रतिशत बच्चे माता-पिता के फोन का इस्तेमाल करते हैं। वर्ष 2026 की शुरुआत तक 10 से 14 वर्ष की उम्र के लगभग 83 प्रतिशत बच्चों की स्मार्टफोन तक पहुंच बताई गई है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत से भी अधिक है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि मोबाइल केवल बच्चों के हाथ में पहुंचने वाली तकनीक नहीं है, बल्कि उसका इस्तेमाल उनके व्यवहार, सोच, पढ़ाई, सामाजिक संबंध और सुरक्षा को भी प्रभावित कर सकता है। बच्चों को मोबाइल देने की शुरुआत अक्सर बहुत सामान्य कारणों से होती है। बच्चा खाना नहीं खा रहा हो, जिद कर रहा हो, रो रहा हो या शरारत कर रहा हो तो उसे शांत करने के लिए मोबाइल हाथ में थमा दिया जाता है। धीरे-धीरे बच्चा मोबाइल को मनोरंजन का सबसे आसान साधन मानने लगता है। माता-पिता भी व्यस्तता के कारण कई बार इस आदत पर तत्काल ध्यान नहीं देते। बच्चे की जिद पूरी करना उस समय आसान समाधान दिखाई देता है, लेकिन यही सुविधा आगे चलकर आदत का रूप ले सकती है। जब बच्चा हर खाली समय मोबाइल पर बिताने लगे और मोबाइल न मिलने पर बेचैनी दिखाए तो अभिभावकों को इसे गंभीर संकेत मानना चाहिए। मोबाइल और इंटरनेट का सही इस्तेमाल बच्चों के लिए ज्ञान और सीखने का माध्यम बन सकता है। समस्या तब पैदा होती है जब स्क्रीन का उपयोग जरूरत से अधिक होने लगे। कई बच्चे प्रतिदिन सात से दस घंटे तक स्क्रीन के सामने समय बिताने लगे हैं। इससे पढ़ाई के लिए मिलने वाला समय प्रभावित होता है और खेलकूद, परिवार के साथ बातचीत तथा सामाजिक गतिविधियों के

लिए समय कम हो जाता है। लगातार स्क्रीन पर रहने की आदत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर सकती है। मोबाइल पर मिलने वाला लगातार मनोरंजन उन्हें सामान्य गतिविधियों में कम रुचि लेने के लिए भी प्रेरित कर सकता है। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा का पहलू इससे भी अधिक गंभीर है। इंटरनेट की दुनिया में अच्छी सामग्री के साथ ऐसी सामग्री भी मौजूद है जो बच्चों के लिए अनुपयुक्त और नुकसानदेह हो सकती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बच्चों के खिलाफ होने वाले 60 प्रतिशत से अधिक साइबर अपराध अश्लील सामग्री से जुड़े बताए गए हैं। यह स्थिति बताती है कि बच्चों को केवल स्मार्टफोन देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी देना भी जरूरी है। अनजान लोगों से बातचीत, संदिग्ध संदेशों पर प्रतिक्रिया, निजी जानकारी साझा करना और अनुचित सामग्री के संपर्क में आना बच्चों को साइबर अपराधियों के निशाने पर ला सकता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि अनेक बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के साधनों की पूरी जानकारी नहीं है। एक सर्वे में केवल 37.1 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे सामग्री की शिकायत करने और सुरक्षा संबंधी उपकरणों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं। वहीं पांच में से एक युवा को ऐसे सुरक्षा उपकरणों की जानकारी ही नहीं थी। ग्रामीण क्षेत्रों तथा 11 से 13 वर्ष की उम्र के बच्चों में जागरूकता का स्तर और कम पाया गया। इसका अर्थ साफ है कि इंटरनेट की पहुंच तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसके सुरक्षित इस्तेमाल की समझ उसी गति से नहीं बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों को मोबाइल से पूरी तरह दूर रखना हमेशा व्यावहारिक नहीं हो सकता, क्योंकि शिक्षा और ज्ञान के लिए भी डिजिटल माध्यम जरूरी हो चुके हैं। इसलिए प्रतिबंध के बजाय संतुलित उपयोग की आदत विकसित करना अधिक जरूरी है। माता-पिता को बच्चों के लिए मोबाइल इस्तेमाल का निश्चित समय तय करना चाहिए। पढ़ाई, भोजन, परिवार के साथ समय और सोने से पहले मोबाइल से दूरी जैसी आदतों को धीरे-धीरे दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। बच्चों को मोबाइल देने के बजाय उनके साथ समय बिताना भी जरूरी है। बच्चा जब जिद करे या परेशान हो तो हर बार मोबाइल को समाधान बनाने के बजाय उससे बातचीत करनी चाहिए। खेल, किताबें, रचनात्मक गतिविधियां और परिवार के साथ सामूहिक समय बच्चों को मोबाइल के विकल्प दे सकते हैं। माता-पिता स्वयं मोबाइल का कितना इस्तेमाल करते हैं, इसका भी बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यदि घर में बड़े लोग हर समय फोन में व्यस्त रहेंगे तो बच्चों से मोबाइल से दूरी की अपेक्षा करना कठिन होगा। सरकार और विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को साइबर सुरक्षा, निजी जानकारी की सुरक्षा, संदिग्ध सामग्री की शिकायत और ऑनलाइन व्यवहार के बारे में उम्र के अनुरूप जानकारी दी जानी चाहिए। केवल सोशल मीडिया पर उम्र संबंधी प्रतिबंध लगाने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। बच्चों, अभिभावकों, विद्यालयों और डिजिटल मंचों को मिलकर सुरक्षित वातावरण तैयार करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर चीज सही या सुरक्षित नहीं होती।

तकनीक का विरोध समाधान नहीं है। स्मार्टफोन आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आने वाले समय में इसकी भूमिका और बढ़ेगी। जरूरत इस बात की है कि बच्चों को तकनीक का मालिक बनाया जाए, उसका गुलाम नहीं। मोबाइल बच्चे की चुप्पी खरीदने का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और सीखने का माध्यम बने, इसके लिए परिवार को शुरुआत से ही स्पष्ट सीमाएं तय करनी होंगी। यदि अभिभावक समय रहते बच्चों की मोबाइल आदत पर ध्यान दें, उनके साथ संवाद बढ़ाएं और ऑनलाइन सुरक्षा की जानकारी दें तो डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए खतरा बनने के बजाय अवसर का माध्यम बन सकती है। बच्चों का बचपन केवल स्क्रीन पर नहीं, बल्कि परिवार, खेल, किताब, मित्रता और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच भी विकसित होना चाहिए।

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

ऋतुपर्ण दवे

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है। हृदय रोग के बढ़ते जोखिम

और इसके कारकों को समझने, चेतावनी संकेतों को पहचानने और स्वस्थ आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए इस पहल की शुरुआत की गई थी जो सार्थक प्रतीत हो रही है। अब यह विगत 26 वर्षों से, समूचे विश्व में स्वस्थ हृदय को लेकर जागरूकता फैलाने, रोकथाम और प्रारंभिक देखभाल के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए एक वैश्विक मंच बन गया है। हर वर्ष यह दिन एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार इस दिन पर विश्व हृदय महासंघ ने डोंट मिस ए बीट थीम रखी है जिसमें काफी कुछ संकेत छुपे हैं। इस संदेश को दोहराया गया है कि हृदय रोग अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनने तक अनदेखा रह जाता है। हार्ट अटैक आने से कुछ हफ्ते पहले सीने में हल्का दर्द, अत्यधिक थकान और सांस फूलने जैसे संकेत मिलने लगते हैं। एसीडिटी, सीने में हल्का दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस होना, जो काम करने पर बढ़ता है और आराम करने पर कम हो जाता है। बिना किसी भारी काम के हर समय बहुत ज़्यादा थका हुआ और कम ऊर्जा महसूस होना। सांस लेने में तकलीफ जैसे सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द. जबड़े में जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, अचानक से ठंडा पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें, जीवन शैली परिवर्तन में समय के साथ बदलाव करें। जरा सी आहट होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रान्ति भी है कि यह वृद्ध वयस्कों से जोड़ा जाता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, दीर्घकालिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अपर्याप्त नींद और हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास जैसे कारक समय के साथ जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इनमें से कुछ जोखिम धीरे-धीरे विकसित होते हैं और स्थिति गंभीर होने तक स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में दिल के बचाव के लिए संतुलित आहार, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तंबाकू से परहेज और रक्तचाप को नियंत्रित रखने जैसे छोटी-छोटी नियमित आदतें काफी हद तक जोखिम को कम कर सकती हैं। इनमें कई जोखिम की पहचान या संकेत हमारा शरीर दे देता है। सच तो यह है कि हृदय की धड़कन को पहचानने की कला से भी काफी हद तक इस रोग को समझ कर समय रहते चेता जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति की हृदय की धड़कन 60 से 100 प्रति मिनट होनी चाहिए। इसके लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श व जाँच की आजकल हर कहीं आसानी से सुविधाएं उपलब्ध है। हृदय की एक-एक धड़कन महत्वपूर्ण है।

लखनऊ स्टेशन पर 7 घंटे का यातायात ब्लॉक

वैष्णो देवी दर्शन के लिए दिल्ली से तीन दिन विशेष ट्रेन

लखनऊ, एजेंसी। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए उत्तर रेलवे जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा। नई दिल्ली से कटड़ा के बीच तीन दिन विशेष?ट्रेन चलेगी। ट्रेन संख्या 04081/04082 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली आरक्षित विशेष ट्रेन तीन फेरे लगाएगी। नई दिल्ली से यह ट्रेन 2, 3 और 4 अक्तूबर को रात 11:45 बजे रवाना होगी। अगले दिन दोपहर 12 बजे कटड़ा पहुंचेगी। इसका ठहराव पानीपत, कुरुक्षेत्र, अंबाला छावनी, लुधियाना, जालंधर छावनी, पठानकोट छावनी, जम्मू तवी और माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच आने वाले प्रमुख स्टेशनों पर होगा। वापसी में कटड़ा से यह 3, 4 और 5 अक्तूबर को रात 9 बजे रवाना होगी।

रींगस के लिए भी विशेष ट्रेन

दिल्ली जंक्शन से हरियाणा के रेवाड़ी होते हुए राजस्थान के रींगस स्टेशन तक विशेष अनारक्षित ट्रेन चल रही है। 04415/04416 ट्रेन दो अक्तूबर को शाम 6:50 बजे रवाना होगी और रात 12:40 बजे रींगस पहुंचेगी। वापसी में 2 और 3 अक्तूबर को यह ट्रेन रींगस जंक्शन से रात दो बजे रवाना होकर दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। खाटू श्याम जी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सबसे प्रमुख और निकटतम रेलवे स्टेशन रींगस ही है।

साहिबाबाद यार्ड में निर्माण कार्य से कई ट्रेनें प्रभावित- साहिबाबाद यार्ड में निर्माण कार्य के कारण कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। उत्तर रेलवे दिल्ली मंडल की ओर से लेवल क्रॉसिंग संख्या-4 के स्थान पर सीमित ऊंचाई वाले रास्ते के निर्माण के लिए आरसीसी गर्डर लगाने का काम किया जाएगा। इसके लिए तीन अलग-अलग तीन-तीन घंटे के यातायात और बिजली अवरोध लिए जाएंगे। इसके चलते कुछ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को देरी से चलाया और रास्ते में कुछ समय के लिए नियंत्रित किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, पांच अक्तूबर को बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली ट्रेन संख्या 19019 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार को हजरत निजामुद्दीन-तिलक ब्रिज-आनंद विहार-साहिबाबाद के बजाय हजरत निजामुद्दीन-नई दिल्ली-दिल्ली जंक्शन-दिल्ली शाहदरा-साहिबाबाद होकर चलाया जाएगा। इस ट्रेन का कोई ठहराव नहीं हटाया गया है। इसी तरह आठ अक्तूबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 22200 बलरामपुर-ग्वालियर को साहिबाबाद-आनंद विहार-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन के बजाय साहिबाबाद-दिल्ली जंक्शन-नई दिल्ली-हजरत निजामुद्दीन होकर चलाया जाएगा।

सहरसा से आने वाली ट्रेन 150 मिनट देर से

छह अक्तूबर को सहरसा से चलने वाली ट्रेन संख्या 05575 सहरसा जंक्शन-आनंद विहार टर्मिनल को पुनर्निर्धारित किया गया है। यह ट्रेन सहरसा से रात 11:30 बजे रवाना होगी और अपने निर्धारित समय से 150 मिनट की देरी से चलेगी। इसके अलावा आठ अक्तूबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 14055 मऊ जंक्शन-आनंद विहार टर्मिनल को साहिबाबाद स्टेशन पर 45 मिनट रोका जाएगा। छह और सात अक्तूबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 04013 लौकाहा बाजार-आनंद विहार टर्मिनल को साहिबाबाद पर 20 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने की बदली व्यवस्था लागू

लखनऊ, एजेंसी। जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने के नियमों में किया गया बदलाव बृहस्पतिवार से लागू हो गया। अब दो साल बाद आवेदन करने वालों के प्रमाणपत्र प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही बनाए जाएंगे। केंद्र सरकार के जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 में संशोधन के बाद यह बदलाव किया गया है। अब किसी जन्म या मृत्यु की सूचना एक साल बाद लेकिन दो साल के भीतर दी जाती है तो उसका पंजीकरण तभी होगा जब जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) या डीएम की ओर से अधिकृत कार्यपालक मजिस्ट्रेट की ओर से सत्यापन के बाद आदेश दिया जाएगा। इसी तरह यदि जन्म या मृत्यु की सूचना दो साल बाद दी जाती है तो पंजीकरण प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही होगा। ऐसे में साफ है कि अब दो साल से अधिक पुराने मामलों में बिना कोर्ट के आदेश के जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनेगा। अभी तक एसडीएम के यहां से ही इन मामलों में भी आदेश हो जाता था। नगर निगम के जन्म-मृत्यु अनुभाग के प्रभारी अनिल शुक्ला ने बताया कि दो साल से पुराने आवेदनों की अब फीडिंग ही नहीं हो पा रही है। जैसे ही इसे फीड किया जाता है तो सबसे पहले न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश की संख्या मांगी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

आधार में अधिक बार जन्मतिथि बदलवाने के नियम होंगे सख्त

15 अक्तूबर से नई व्यवस्था लागू होने की उम्मीद

लखनऊ, एजेंसी। आधार कार्ड में जन्मतिथि में बदलाव कराने वालों के लिए नियम और सख्त होने जा रहे हैं। एक बार जन्मतिथि अपडेट कराने के बाद दूसरी बार बदलाव सामान्य प्रक्रिया से नहीं किया जा सकता। इसके लिए पहले से ही विशेष प्रक्रिया लागू है। अब इस प्रक्रिया को और कड़ा किया जाएगा। पिछले कुछ दिनों से दूसरी बार जन्मतिथि बदलने के आवेदनों पर रोक लगी हुई है। नई व्यवस्था तैयार की

जा रही है और 15 अक्तूबर से दूसरी बार जन्मतिथि में बदलाव की सुविधा नई प्रक्रिया के साथ शुरू होने की उम्मीद है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के नियमों के मुताबिक आधार में जन्मतिथि सामान्य प्रक्रिया से केवल एक बार अपडेट की जा सकती है। दूसरी बार बदलाव केवल विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है। इसके लिए आवेदक को आधार केंद्र पर आवेदन करने के साथ जन्मतिथि से संबंधित वैध दस्तावेज देने होते हैं। सत्यापन के बाद ही बदलाव की अनुमति दी जाती है। अब जो नियम बनेंगे वह बेहद सख्त होंगे। जिससे किसी तरह का फर्जीवाड़ा कर जन्मतिथि न बदलवा ले।

यूपीआई से भुगतान पर लगने वाला सरचार्ज नगर निगम करेगा वहन

लखनऊ, एजेंसी। यूपीआई से दो हजार रुपये से अधिक के गृहकर, जलकर या अन्य किसी शुल्क के भुगतान पर लगने वाला सरचार्ज नगर निगम ही वहन करेगा। कार्यकारिणी की बैठक में यह प्रस्ताव मंजूर कर दिया गया। इससे नगर निगम पर हर साल 20 लाख रुपये से अधिक का भार पड़ेगा। नई व्यवस्था 15 अक्तूबर से लागू होगी। केंद्र सरकार के नए नियम के बाद अब दो हजार रुपये से ज्यादा के हर भुगतान पर नगर निगम को 5.90 रुपये सरकार को देने होंगे। वित्त नियंत्रक महामिलिंद लाल ने बताया कि निगम को इस वित्तीय वर्ष में गृहकर व लाइसेंस शुल्क, किराया व अन्य मदों से 800 से 1000 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। ज्यादातर लोग ऑनलाइन ही टैक्स भरते हैं। ऐसे में हर बड़े ट्रांजेक्शन पर पांच रुपये कटने और 90 पैसा जीएसटी लगने से सालभर में करीब 20 लाख रुपये का भार नगर निगम पर आएगा।

किसानों ने टाटा मोटर्स से नौकरी और मुआवजा मांगा

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रीयतावादी) की जिला इकाई की बैठक बृहस्पतिवार को चिनहट तिराहा पर हुई। बैठक में किसानों ने टाटा मोटर्स और यूपीएसआईडीसी से नौकरी व मुआवजे की मांग की। संगठन ने इस संबंध

में एलडीए जोनल इंचार्ज प्रभाकर सिंह को मांग पत्र सौंपा। अशोक यादव और राम रतन यादव ने बताया कि 1984 और 1985 में ग्राम सभा धावा व गोयला के किसानों की जमीन यूपीएसआईडीसी के माध्यम से अधिग्रहित कर टाटा मोटर्स को 90 वर्ष की लीज पर दी गई थी। किसानों का आरोप है कि अधिग्रहण के समय किए गए कई वादे अब तक पूरे नहीं हुए। उन्होंने भूमि का पूरा भुगतान कराने की मांग की।

अप्रत्याशित डोपिंग विवाद से उबरकर इतिहास रचना खास: हरगोविंद सिंह

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय ग्रीको-रोमन कुश्ती टीम के चीफ कोच हरगोविंद सिंह के लिए एशियाई खेलों में सुनील कुमार और नितेश सिवाच का पदक जीतना बेहद खास है। उन्होंने कहा कि पिछला कुछ समय टीम के लिए अच्छा नहीं रहा लेकिन विपरीत परिस्थितियों से उबरकर खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया।

एशियाई खेलों से ठीक पहले दीपक (67 किग्रा) और दीपांशु (130 किग्रा) के डोपिंग में फंसने से टीम के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई थी। इस अप्रत्याशित घटना से अन्य खिलाड़ियों का मनोबल भी प्रभावित हुआ। इसके बावजूद टीम ने हार नहीं मानी और छह की जगह चार खिलाड़ियों के साथ लखनऊ साई सेंटर में नए सिरे से प्रशिक्षण जारी रखने का फैसला किया। खिलाड़ियों को डोपिंग के प्रति जागरूक करने के लिए नाडा की ओर से सेमिनार भी आयोजित किया गया।

खिलाड़ियों ने लखनऊ साई सेंटर में करीब आठ माह तक कड़ी ट्रेनिंग की। फेडरेशन ने विदेशी कोच की सेवाएं उपलब्ध कराईं जिससे प्रशिक्षण का स्तर बेहतर हुआ। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 25 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया गया। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा और इसका फायदा एशियाई खेलों में मिला।

हरगोविंद ने कहा कि उनके लिए सुनील और नितेश दोनों का प्रदर्शन समान रूप से शानदार रहा। नितेश ने बीते अप्रैल में हुई एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 97 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर एशियाई खेलों के लिए अपना दावा मजबूत किया था। इसके बाद उन्होंने एशियाई खेलों में भी रजत पदक जीता। भारतीय ग्रीको-रोमन टीम ने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार दो पदक जीते। 87 किग्रा में सुनील कुमार ने पदक जीता, जबकि 97 किग्रा में नितेश सिवाच ने रजत हासिल किया। चार सदस्यीय टीम की इस सफलता में लखनऊ साई सेंटर में हुई आठ माह की ट्रेनिंग की अहम भूमिका रही।

यूपी के 16 जिलों में 20 से 59 प्रतिशत तक कम रही बारिश

भाखड़ा में जलस्तर 35 फीट नीचे; पंजाब-हिमाचल में चिंता

लखनऊ, एजेंसी। मानसून ने इस बार देश में कई रूप दिखाए हैं। कहीं खूब बारिश हुई है तो कहीं सूखा पड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश में इस बार रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है लेकिन बारिश का असंतुलन इस कदर रहा कि 37 जिलों में औसत से कम बारिश हुई तो 37 जिलों में औसत से अधिक मानसून मेहरबान रहा। वहीं हिमाचल के भाखड़ा नागल बांध में पांच साल में सबसे कम जलस्तर पहुंचने से हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पंजाब में जल संकट पैदा होने का खतरा बढ़ गया है।

यूपी: गाजियाबाद, शामली समेत चार जिलों में 60 प्रतिशत कम बरसात- उत्तर प्रदेश में इस बार मानसून ने बारिश का दस साल का रिकार्ड तोड़ दिया। लेकिन प्रदेश में जिलेवार वर्षा का वितरण असमान रहा। एक जून से 30 सितंबर के दौरान 802.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो औसत से आठ प्रतिशत अधिक है।

इसके बावजूद 37 जिलों में औसत से कम बारिश हुई, जबकि 37 जिलों में औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई। आगरा में बारिश औसत के बराबर रही। यूपी के 20 में से 16 जिलों में बारिश की कमी 20 से 59 प्रतिशत रही, जबकि देवरिया, कुशीनगर, गाजियाबाद और शामली में कमी औसत के 60 प्रतिशत से भी अधिक रही।

इस बार प्रदेश में मानसून की शुरुआत कमजोर रही। जून में औसत से 54 और जुलाई में 17 प्रतिशत कम बारिश हुई। अगस्त में 24 प्रतिशत अधिक बारिश ने कमी पूरी की।

सितंबर में तो मानसून खूब बरसा। इस महीने यूपी में 250.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जो औसत से 63 प्रतिशत अधिक है।

- **2018 की बारिश का आंकड़ा छूटा पीछे-** दस साल के आंकड़ों में इससे पहले साल 2018 में प्रदेश में 764.8 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इस बार 38.1 मिलीमीटर ज्यादा बारिश हुई। पश्चिमी यूपी में 782.7 मिलीमीटर बारिश हुई, जो दस साल में सर्वाधिक है। पूर्वी यूपी में 817 मिलीमीटर बारिश हुई, लेकिन यहां 2021 का 867.3 मिलीमीटर का आंकड़ा अब भी सबसे अधिक है। मौसम विभाग ने अक्तूबर में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम बारिश का अनुमान जताया है।

पश्चिमी यूपी में 16 प्रतिशत ज्यादा बारिश

पश्चिमी यूपी में औसत से 16 प्रतिशत अधिक और पूर्वी यूपी में दो प्रतिशत अधिक बारिश हुई। चित्रकूट में सबसे ज्यादा 1358.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। बांदा में 1348.4, बिजनौर में 1348.2 और बहराइच में 1343.8 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं 14 जिलों में बारिश 1000 मिलीमीटर से अधिक रही।

पंजाब...26 साल का सिंचाई पर सबसे बड़ा संकट, भूजल पर खतरा

पंजाब में वर्ष 2000 के बाद इस साल तीसरा सबसे सूखा मानसून रहा है। पंजाब में जून से सितंबर तक सामान्य के मुकाबले 38 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। मानसून की बेरुखी का असर खेतों से लेकर बांधों तक दिखाई दे रहा है।

सामान्य से कम बारिश ने जहां किसानों की सिंचाई की जरूरत बढ़ा दी, वहीं पहाड़ी कैचमेंट क्षेत्रों में कम बारिश के कारण भाखड़ा और पौंग समेत प्रमुख बांधों में पानी की आवक प्रभावित हुई। नतीजा यह रहा कि धान की फसल के दौरान ट्यूबवेल पर निर्भरता बढ़ी और बिजली की मांग भी बढ़ गई।

एमपी से यूपी तक फैले तार, नेटवर्क के राज खंगालेगी पुलिस; सप्लायर की तलाश

वाराणसी, एजेंसी। गाजीपुर के कैथवलिया पुलिया के पास पकड़े गए तीन असलहा तस्करों से बरामद हथियारों ने पुलिस की जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। पुलिस अब सिर्फ गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल फोन, कॉल-चैट और ऑनलाइन लेनदेन के जरिए अवैध असलहा कारोबार की पूरी चेन तक पहुंचने में जुटी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने बताया कि आरोपियों के मोबाइल से मिले डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक डेटा को सुरक्षित कर लिया गया है। इसके आधार पर हथियार उपलब्ध कराने वालों और खरीदने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है।

एसपी के अनुसार, पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मध्य प्रदेश के खंडवा और बुरहानपुर क्षेत्र से अवैध हथियार लाकर गाजीपुर में उनकी डिलीवरी करने आए थे। इस नेटवर्क के संपर्क मध्य प्रदेश के अलावा बिहार और झारखंड तक होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब हथियारों के स्रोत से लेकर उनकी संभावित डिलीवरी तक के पूरे रूट की पड़ताल कर रही है।

ऑनलाइन होता था सौदा, किराया भी डिजिटल- एसपी के अनुसार,जांच में यह भी सामने आया है कि हथियारों की खरीद-फरोख्त के लिए ऑनलाइन माध्यम से पैसों का लेनदेन किया जाता था। दूसरे प्रदेशों से हथियार लाने वाले युवकों के किराए और अन्य खर्च का भुगतान भी ऑनलाइन किया जाता था। ऐसे में पुलिस अब उन खातों और वित्तीय स्रोतों की भी पड़ताल कर रही है, जिनके जरिए इस कारोबार को रकम उपलब्ध कराई जा रही थी। एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन में मौजूद कॉल और चैट की जानकारी से उन लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है, जिन्होंने इनसे हथियार खरीदे थे। पुलिस का जोर सप्लायर से लेकर खरीदार तक पूरी चेन सामने लाने पर है।

चुनावी समय में बढ़ी हथियारों की आवाजाही की आशंका- एसपी ने इसकी संभावना से इनकार नहीं कि आगामी चुनावों से अवैध हथियारों का प्रयोग करने के उद्देश्य से इसकी खेप गैर प्रांतों से जिले में पंहुचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में चुनाव हैं और अवैध असलहों के इस्तेमाल की संभावना बनी रहती है। ऐसे में हथियारों की आवाजाही बढ़ी हुई हो सकती है।

एक-एक कड़ी पर कार्रवाई का दावा

एसपी ने कहा कि नेटवर्क से जुड़े लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। अवैध हथियार उपलब्ध कराने वालों से लेकर इन्हें खरीदने वालों तक, जो भी लोग जांच में सामने आएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई और अपराध से अर्जित अवैध संपत्तियों के जब्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी।

खंडवा-बुरहानपुर से गाजीपुर तक का सफर- एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मध्य प्रदेश के खंडवा और बुरहानपुर क्षेत्र से अवैध हथियार लेकर गाजीपुर आए थे। यहां इन हथियारों की डिलीवरी की जानी थी। पूछताछ में कुछ अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिलने की बात एसपी ने कही है।

राप्ती-सरयू खतरे के निशान से ऊपर, 46 गांव पानी से घिरे

गोरखपुर , एजेंसी। जिले में राप्ती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर है। सुबह से शाम तक इसमें एक सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। सरयू नदी का जलस्तर स्थिर है, पर यह अब भी खतरे के निशान से डेढ़ मीटर ऊपर बह रही है। बाढ़ के कारण जिले के 46 गांव पानी से घिर गए हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि नेपाल में बारिश न होने पर राप्ती का जलस्तर कम हो सकता है। सरयू नदी के जलस्तर में सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक कोई वृद्धि नहीं हुई है। रोहिन नदी खतरे के निशान से नीचे आ गई है। गोर्रा नदी का जलस्तर भी कम होने लगा है और यह पहले से ही खतरे के निशान से नीचे है। इनमें गोला तहसील के 36 गांव, बांसगांव तहसील के पांच गांव और सदर तहसील के पांच गांव शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही के लिए 69 नावें लगाई गई हैं। बाढ़ पीड़ितों को भोजन के लिए सामुदायिक रसोई से चार हजार लंच पैकेट

एयरफोर्स के विमान से बंगाल भेजी गई वाल्मीकिनगर की बाघिन

गोरखपुर , एजेंसी। बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व की करीब चार साल की बाघिन को बुधवार की भोर भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से गोरखपुर एयरपोर्ट से पश्चिम बंगाल के बक्सा टाइगर रिजर्व भेजा गया। बाघिन को सुरक्षित तरीके से सड़क मार्ग से गोरखपुर लाया गया था। यहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे विमान से बंगाल रवाना किया गया। जानकारी के अनुसार, 29 सितंबर की शाम करीब पांच बजे वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में बाघिन को सफलतापूर्वक बेहोश कर रेडियो कॉलर लगाया गया था। इसके बाद पशु चिकित्सा जांच और वन्यजीव प्रबंधन से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। अधिकारियों की निगरानी में बाघिन को सुरक्षित वाहन से गोरखपुर पहुंचाया गया। गोरखपुर की सीमा में प्रवेश करने के बाद वन विभाग की टीम ने बाघिन को सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट तक पहुंचाया। यहां से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के जरिये उसे बक्सा टाइगर रिजर्व भेजा गया। 30 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे बाघिन को बक्सा टाइगर रिजर्व के निर्धारित सॉफ्ट-रिलीज एनक्लोजर में सुरक्षित पहुंचा दिया गया। डीएफओ शुभम सिंह ने बताया कि बाघिन को सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद सुरक्षित रूप से गोरखपुर एयरपोर्ट तक लाया गया था। यहां से उसे विशेष विमान के जरिये पश्चिम बंगाल भेजा गया।

बसपा सरकार बनाने के लिए भाईचारा मजबूत करें कार्यकर्ता

गोरखपुर, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को तारामंडल रोड स्थित एक निजी बैंकेट हॉल में मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल डॉ. मदन राम रहे। अध्यक्षता मुख्य मंडल प्रभारी गोरखपुर-आजमगढ़ डॉ. इंदु चौधरी ने की। डॉ. मदन राम ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ और संगठन के स्तंभ हैं। कार्यकर्ता आपसी भाईचारा मजबूत कर संगठन को बूथ और गांव स्तर तक मजबूत करें। उन्होंने कहा कि 2027 में बसपा की सरकार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से जुटना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बसपा शासन में हुए विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, हत्या और अपराध को लेकर सरकार पर निशाना साधा। कहा कि सरकार जाति और धर्म की राजनीति कर रही है और आम जनता की समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि बसपा सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर काम करती है। अध्यक्ष डॉ. इंदु चौधरी ने कहा कि बसपा दबे-कुचले, शोषित और वंचित समाज की आवाज है। उन्होंने नौ अक्टूबर को लखनऊ में होने वाली प्रदेश स्तरीय महारैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं से पहुंचने की अपील की। बैठक में मंडल संयोजक हरि प्रकाश निषाद, अमरचंद दुबे, असगर अली, डॉ. विजय कुमार, जिलाध्यक्ष जयकार प्रसाद, कमलेश कुमार गौतम, घनश्याम राही, सुरेश चंद्र भारती,परमेश्वर शर्मा उर्फ छोटू सहारा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनप्लग इंडिया
सच की आवाज, भारत की पहचान

प्रदूषण बोर्ड के 2 क्षेत्रीय अधिकारी सस्पेंड आरडब्ल्यूए की शिकायतों पर कार्रवाई

गुरुग्राम । गुरुग्राम में विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दो क्षेत्रीय अधिकारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। गुरुग्राम उत्तर की क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा और गुरुग्राम दक्षिण के क्षेत्रीय अधिकारी मुकुल कुमार को निलंबित किया गया है। बताया गया है कि दोनों अधिकारियों के खिलाफ गुरुग्राम की विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों में प्रदूषण और पर्यावरण से जुड़े मामलों में कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए गए थे। विकास परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री के संज्ञान में शिकायतें आने के बाद यह कार्रवाई की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुरुग्राम में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करने और नियमों की अनदेखी पर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में विकास परियोजनाओं की प्रगति के साथ-साथ शहर में प्रदूषण नियंत्रण और नागरिकों की शिकायतों के निपटारे की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

डीजीपी अजय सिंघल ने ली पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक

हरियाणा । हरियाणा पुलिस अब नशा तस्करों के खिलाफ केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उनके पूरे नेटवर्क और अवैध कमाई के स्रोतों पर कार्रवाई करेगी। नशा तस्करों की अवैध कमाई से बनाई गई संपत्तियों की पहचान कर उन्हें नियमानुसार अटैच करने और कानूनी प्रक्रिया के तहत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर जिला स्तर पर उसके प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पंचकूला में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस अधीक्षकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में नशा तस्करी, गैंगस्टर नेटवर्क, फिरौती की धमकियों, संगठित अपराध, सीसीटीवी नेटवर्क और महिला एवं बाल सुरक्षा सहित कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। डीजीपी ने कहा कि नशे के खिलाफ कार्रवाई में केवल

आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। पुलिस को यह पता लगाना होगा कि तस्करी से होने वाली कमाई कहां जा रही है और उसका इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को नशा तस्करों की अवैध संपत्तियों की पहचान कर उन्हें नियमानुसार अटैच करने और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की पुलिस अधीक्षक सृष्टि गुप्ता ने बैठक में नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई पर प्रस्तुति दी। इसमें मादक पदार्थ अधिनियम के तहत जांच, बड़ी मात्रा में पकड़े गए मामलों, संगठित तस्करी गिरोहों की पहचान और खोजी कुत्ता दस्ते के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख एडीजीपी संजय कुमार ने संगठित नशा तस्करी गिरोहों के पूरे नेटवर्क की पहचान कर उसे तोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एएनटीएफ की कार्यप्रणाली की जल्द समीक्षा होगी और जिलों में उसके प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। साथ ही सूचना तंत्र मजबूत करने और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए। डीजीपी ने गैंगस्टर नेटवर्क और फिरौती की धमकियों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अपराधियों के आपसी संपर्क, युवाओं की भर्ती के तरीके और आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहे संचार माध्यमों का विश्लेषण करने को कहा। जेलों में बंद अपराधियों के बीच होने वाले संपर्कों पर भी निगरानी रखने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आपराधिक नेटवर्क को फैलने से रोकने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि कोई अपराधी या गैंगस्टर पुलिस पर हथियार से हमला करता है तो उसके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। अपराध नियंत्रण और जांच में सीसीटीवी की भूमिका को देखते हुए डीजीपी ने इसे और मजबूत करने के निर्देश दिए। प्रदेश में अब तक करीब 1.25 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। होटल, आभूषण की दुकानों, बैंकों, आरडब्ल्यूए, बाजारों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सड़क की ओर कैमरे लगाने के लिए संबंधित संस्थानों के साथ समन्वय करने को कहा गया।

भारत का स्वर्णिम पंच और दांव, अंकुश परवीन और सुजीत ने जीते गोल्ड मेडल

हरियाणा । 2026 के एशियन गेम्स में भारत के लिए आज का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। भारतीय एथलीटों ने रिंग और मैट दोनों जगह अपना दबदबा कायम करते हुए तीन स्वर्ण पदक देश की झोली में डाल दिए। बॉक्सिंग में हरियाणा के अंकुश पंघाल और परवीन हुड्डा ने पोडियम का शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं कुश्ती के मैट पर सुजीत कलकल ने भारत को कुश्ती का पहला गोल्ड दिलाया। बॉक्सिंग रिंग में पुरुषों के 80 किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में भारत के अंकुश पंघाल ने एकतरफा प्रदर्शन किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के मुक्केबाज किम मिनसियोंग को 4-0 से मात देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंकुश की इस जीत के साथ ही बॉक्सिंग में भारत का यह तीसरा स्वर्ण पदक रहा। हरियाणा के हिसार जिले के भेरिया गांव से आने वाले अंकुश ने अपने आक्रामक खेल और सटीक पंचों से विरोधी को पूरे मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। महिला बॉक्सिंग के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में परवीन हुड्डा ने अपनी तकनीकी दक्षता का शानदार प्रदर्शन किया। बेहद कड़े और रोमांचक मुकाबले में परवीन ने चीनी ताइपे की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता चेन निएन-चिन को स्प्लिट डिसिजन में 3-2 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। हरियाणा के रोहतक जिले के रुड़की गांव की निवासी परवीन ने दबाव के पलों में बेहतरीन संयम दिखाते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया और तिरंगा लहराया। रिंग के बाद अखाड़े में भी भारत का परचम लहराया। युवा पहलवान सुजीत कलकल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुश्ती स्पर्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-पिलानी नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, महिला और बच्चे की मौत

भिवानी। दिल्ली-पिलानी नेशनल हाईवे 709 ई पर गांव पोहकरवास के समीप शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। ट्रक और क्विड गाड़ी की आमने-सामने की टक्कर में एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, क्विड गाड़ी में पांच लोग सवार थे जो राजस्थान के नरहड़ पीर से लौट रहे थे। सुबह करीब साढ़े आठ बजे पोहकरवास के समीप यह हादसा हुआ। हादसे में 58 वर्षीय महिला सुलोचना और 6 वर्षीय बच्चे आरव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 32 वर्षीय रश्मी, 35 वर्षीय अंजली और 45 वर्षीय गाड़ी चालक कर्मबीर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल रश्मी नौ महीने की गर्भवती बताई जा रही है। सभी घायल भिवानी जिले के गांव मंढाना के रहने वाले हैं। सूचना मिलते ही लोहारू के डीएसपी संजीव गौड़ मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल भी जाना। डीएसपी संजीव गौड़ ने बताया कि महिला सुलोचना और आरव की मौत हो चुकी है, जबकि तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर किया जा रहा है। पुलिस फिलहाल हादसे के कारणों का पता लगा रही है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

सैर पर निकली मां को ट्रक ने कुचला

कैथल। ढांड पाइपास पर शुक्रवार सुबह करीब छह बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। पहली बार सुबह की सैर पर निकली 21 वर्षीय पूजा को तेज रफ्तार ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में पूजा गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे कैथल नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उसकी मौत हो गई। हादसे में पूजा की मासूम बेटी भी गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची की दोनों टांगें टूट गईं। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे चंडीगढ़ रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, पूजा शुक्रवार सुबह करीब छह बजे सैर के लिए घर से निकली थी। उसके साथ उसकी मासूम बेटी, भतीजा और भतीजी भी थे। इसी दौरान ढांड पाइपास पर कुरुक्षेत्र की ओर से आ रहे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पूजा गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि बच्ची भी बुरी तरह जख्मी हो गई।

मछली पकड़ने के जाल में फंसा 4 फीट लंबा मगरमच्छ

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र जिले के दबखेड़ी गांव के पास सतलुज-यमुना लिंक (र छ) नहर में मछली पकड़ने के जाल में 50 किलो का मगरमच्छ फंस गया। मगरमच्छ को जाल में फंसा देख मछली पकड़ रहे मजदूरों के होश उड़ गए। वे तुरंत नहर से बाहर निकल आए और ठेकेदार को सूचना दी। मगरमच्छ करीब 4 फीट लंबा था, जिसने जाल भी फाड़ दिया। पता चलते ही गोताखोर प्रगट सिंह अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रगट सिंह ने जाल में फंसे मगरमच्छ को निकालने का काम शुरू किया। टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को काबू किया। इसके बाद मजदूरों ने राहत की सांस ली। हालांकि गोताखोर ने मजदूरों को आगाह किया कि नहर में और भी मगरमच्छ हैं। गोताखोर प्रगट सिंह ने बताया कि मछली पकड़ने वाली लेबर के ठेकेदार भगवान सिंह निवासी करनाल का उनके पास फोन आया था कि मजदूरों ने एसवाईएल नहर में मछली पकड़ने के लिए जाल लगाया हुआ था।

जाल खींचते समय उसमें मगरमच्छ फंसा मिला। मगरमच्छ के जाल में फंसने के बाद मजदूरों ने उसे खुद निकालने की कोशिश नहीं की। ठेकेदार ने उनसे मदद मांगी। सूचना मिलते ही प्रगट सिंह अपनी टीम गुरुजी, मामू, सुरेंद्र, प्रवीण और बलविंद्र सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने पहले मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से काबू करने की कोशिश की। इसके बाद जाल में फंसे मगरमच्छ को बाहर निकालने का काम शुरू किया गया। काफी कोशिश के बाद मगरमच्छ को जाल से सुरक्षित निकाल लिया गया। सूचना मिलने पर वन्य प्राणी विभाग की टीम से बलराम, सुभाष और कृष्णा मौके पर पहुंचे। विभागीय कर्मचारियों ने मगरमच्छ को अपने कब्जे में लिया और उसे भौर सैंदा स्थित मगरमच्छ प्रजनन केंद्र पहुंचाया। वहां मगरमच्छ को सुरक्षित छोड़ दिया गया। उधर, नहर में मछली पकड़ने वाले मजदूरों के लिए भी खतरा टल गया।

गौ सेवा हेतु भागवत कथा का पांचवा दिन: प्रेम से ही मिलेंगे प्रभु : आचार्य राम सेवक शास्त्री

रतिया (हरियाणा)। श्रीकृष्ण गौशाला रतिया के प्रांगण में संत बाबा बाबू राम जी दुगाल वाले व संत बाबा कर्म चंद जी बच्चुआना वालों की असीम कृपा से व संत शिरोमणि श्री नारायण मुनि जी के पावन सानिध्य में श्रीकृष्ण गौशाला कमेटी द्वारा गौ सेवा हेतू पितृ पक्ष में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को व्यास पीठ पर विराजमान आचार्य श्री राम सेवक शास्त्री जी कालवाणु वाले ने पांचवे दिन की कथा में बाल श्री कृष्ण जी और शंकर जी के प्रसंग की कथा करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जी के बाल स्वरूप के दर्शन करने के लिए भगवान शंकर जी कैलाश पर्वत से पृथ्वी लोक पर आए। उनके द्वारा सुनाए गए भजन "मईया दर्श करादे नंदलाल दे योगी आया दुरो चल के" पर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। आगे प्रवचन करते हुए प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य

श्री राम सेवक शास्त्री जी कालवाणु वाले ने कहा कि धर्म शास्त्र हमें जीवन में दिशा देते हैं। मनुष्य को शास्त्रों में ही पता चलता है कि बुराई और अच्छाई के बीच क्या फर्क है। ये हमें जीवन में सही फैसला लेने का विवेक प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इंसान को फल की इच्छा किए बिना कर्म करना चाहिए। धन दौलत के बल पर कभी भी प्रभु को नहीं पाया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रभु को केवल प्रेम से ही पाया जा सकता है। इस मौके पर श्रीकृष्ण गौशाला कमेटी व महिला मंडल के सभी सदस्यों सहित समस्त धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों व काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने शास्त्री जी से आशीर्वाद लिया और भागवत कथा का रसपान किया।

चंदों कलां व बुर्ज में मनाया गया जल अर्पण दिवस

-गांधी जयंती पर जन सेवा संकल्प के तहत जल संरक्षण एवं स्वच्छता का दिया संदेश

रतिया। रिम्पी जिन्दल गांधी जयंती के अवसर पर जन सेवा संकल्प के तहत फतेहाबाद जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जल अर्पण दिवस मनाया गया। इस दौरान जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पेयजल के महत्व को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में चंदों कलां व बुर्ज में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से अमनदीप सिंह, छोटू राम, दुर्गेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता तथा खंड संयोजक कुलदीप कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छता तथा पेयजल के सदुपयोग

के प्रति जागरूक किया गया।

जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

-विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को जल की महत्ता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पानी जीवन का आधार है। जल की प्रत्येक बूंद को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से पेयजल की बबार्दी रोकने, पानी का आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने तथा जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही घरों में पानी का अनावश्यक उपयोग न करने और दूसरों को भी जल बचाने के लिए जागरूक करने का आह्वान किया गया। खंड संयोजक कुलदीप कुमार ने कहा कि जल अर्पण दिवस का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को जल बचाने के अभियान से जोड़ना है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित आंगनवाड़ी कार्यकताओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने जल संरक्षण, स्वच्छता तथा पेयजल की बबार्दी रोकने का संकल्प लिया।

रेलवे परिसर साफ रखने में सहयोग करें यात्री

पलवल। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बुधवार को पलवल रेलवे स्टेशन पर दिल्ली मंडल से आए अधिकारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। एएमआरएस त्रिलोक कोठारी के नेतृत्व में अधिकारियों ने स्टेशन परिसर में स्वच्छता की शपथ ली और इसके बाद सफाई अभियान में श्रमदान किया। इस दौरान त्रिलोक कोठारी ने रेलवे स्टेशन परिसर के विभिन्न हिस्सों में सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे परिसर को स्वच्छ रखना केवल रेलवे कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यात्रियों और आमजन को भी इसमें सहयोग करना चाहिए। स्वच्छ वातावरण यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के साथ स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश भी देता है। श्रमदान अरुण कुमार, डीएमएम एनडीएलएस संदीप कुमार सिंह और सीनियर एडीएमएम/एनडीएलएस विक्रमजीत सिंह सहित रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्टेशन परिसर में सफाई व्यवस्था कर्मचारियों को प्रेरित किया।

टोहाना रोड रतिया स्थित मेडिकल स्टोर में चोरी का मामला सुलझाया, आरोपी काबू

रतिया। थाना शहर रतिया पुलिस ने टोहाना रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर में हुई चोरी के मामले को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान जगजीत सिंह उर्फ जग्गा पुत्र सतपाल सिंह, निवासी वार्ड नंबर 12, शिमलापुरी कॉलोनी, रतिया के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि इस संबंध में साहिल पुत्र दलवीर सिंह, निवासी वार्ड नंबर 5, रतिया की शिकायत पर थाना शहर रतिया में मामला संख्या 209, दिनांक 1 अक्टूबर 2026 भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने विभिन्न पहलुओं से जांच करते हुए महत्वपूर्ण सुराग जुटाए और आरोपी जगजीत सिंह उर्फ जग्गा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच के दौरान आरोपी की निशानदेही पर मेडिकल स्टोर से चोरी किया गया

हिकविजन कंपनी का डीवीआर, 43 इंच की टीएसी एलईडी तथा करीब ढाई पैकेट पट्टियां बरामद की गई हैं। बरामद सामान को नियमानुसार पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि चोरी तथा संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है। ऐसे अपराधों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसान की बेटी कीर्ति शर्मा ने एशियन गेम्स में जीता गोल्ड मेडल

जींद। जींद जिले के किसान परिवार की बेटी कीर्ति शर्मा ने एशियन गेम्स में महिलाओं की रिकर्व टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर अपने परिवार और प्रदेश का नाम रोशन किया है। कीर्ति की इस शानदार उपलब्धि से उनके घर में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनके पिता विजय शर्मा को यह खबर तब मिली जब वे खेतों में धान की कटाई कर रहे थे। कीर्ति के माता-पिता ने बताया कि उनकी बेटी पिछले पांच साल से गोल्ड मेडल जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रही थी। अब उन्हें उम्मीद है कि कीर्ति 2028 के ओलंपिक में भी देश के लिए गोल्ड मेडल जीतेगी। कीर्ति की मां गुड्डी देवी ने बताया कि बेटी के तीरंदाजी के सपने को पूरा करने के लिए परिवार को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। शुरूआत में उन्होंने 5,000 रुपये में एक धनुष खरीदा और बाद में बेहतर खेल उपकरण खरीदने के लिए ब्याज पर 50,000 रुपये उधार लिए। गुड्डी देवी ने कहा कि कीर्ति ने हमेशा परिवार के लिए कुछ बड़ा करने का वादा किया।

मंदिरों-तीर्थों पर अब नहीं दिखेगा कचरे का ढेर: 500 मीटर का सफाई जोन

हरियाणा। हरियाणा के प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थलों पर अब कचरे का ढेर नहीं दिखेगा। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद प्रदेश सरकार ने सालभर की विशेष सफाई व्यवस्था तैयार की है। पहले चरण में पंचकूला के मनसा देवी मंदिर, गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर और कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर को शामिल किया गया है। हर स्थल के आसपास 500 मीटर का सफाई क्षेत्र बनेगा। इसमें पहुंच मार्ग, पार्किंग, दुकानें और आसपास के अन्य क्षेत्र भी शामिल होंगे। सफाई व्यवस्था केवल झाड़ू तक सीमित नहीं रहेगी। खुले में कचरा रखने पर रोक होगी। प्रमुख रास्तों पर हर 50 मीटर और श्रद्धालुओं की कतार वाले स्थानों पर हर 25 मीटर पर चार तरह के डस्टबिन लगाए जाएंगे। इनमें गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष कचरा अलग-अलग डाला जाएगा। भीड़ बढ़ने पर अतिरिक्त सफाई कर्मचारी और कचरा वाहन तैनात किए जाएंगे। मंदिरों और घाटों पर फूल-निर्माल्य के लिए अलग कलश रखे जाएंगे। श्रद्धालु फूल और पूजा सामग्री नदी, तालाब या अन्य जलस्त्रोतों में नहीं डाल सकेंगे। आगे अन्य प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थलों की पहचान कर उन्हें भी इस व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। बड़े आयोजनों में 100 उपयोगकताओं पर कम से कम एक शौचालय सीट उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें कम से कम 50 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए होंगी। इन्हें कचरा अलग-अलग रखना होगा और अपने डस्टबिन लगाने होंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक से भी बचना होगा। नियम तोड़ने पर जुमार्ना, जमा राशि जब्त करने से लेकर अनुमति रद्द करने तक की कार्रवाई हो सकती है। जरूरत पड़ने पर अस्थायी पानी-बिजली कनेक्शन भी काटे जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 19 फरवरी 2026 को पर्यटन और तीर्थ स्थलों पर गंदगी को लेकर चिंता जताई थी। इसके बाद 5 मई 2026 को कोर्ट ने राज्यों को प्रमुख पर्यटन व तीर्थ स्थलों की पहचान कर विशेष कचरा प्रबंधन व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टरों को निगरानी के लिए विशेष प्रकोष्ठ बनाने और नियमित रिपोर्ट देने की जिम्मेदारी भी दी गई है।

रतिया बस स्टैंड पर यात्रियों को राहवीर योजना, साइबर सुरक्षा व डायल-112 के प्रति किया जागरूक

सड़क हादसे में घायलों की मदद के लिए आगे आने की अपील, नशे से दूर रहने का भी दिया संदेश

रतिया(हरियाणा) । रिम्पी जिन्दल आमजन को सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, आपातकालीन सेवाओं तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रतिया के सामान्य बस स्टैंड पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों और राहगीरों को राहवीर योजना की जानकारी देते हुए सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की समय पर सहायता करने के लिए प्रेरित किया गया। थाना यातायात पके सहायक उप निरीक्षक राजेन्द्र कुमार ने बताया कि लोगों को बताया गया कि सड़क हादसे के समय घायलों की मदद करना मानवता का दायित्व है और समय पर मिली सहायता किसी की जान बचा सकती है। साथ ही आमजन को डायल-112 आपातकालीन सेवा के बारे में जानकारी देते हुए किसी भी आपात स्थिति में तुरंत

पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान यात्रियों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सावधानियों से भी अवगत कराया गया। उन्हें अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी, बैंक खाता, एटीएम/डेबिट कार्ड तथा अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी गई। साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज करवाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इसके अलावा युवाओं, यात्रियों एवं राहगीरों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का संदेश दिया गया। पुलिस टीम ने आमजन से अपील की कि वे स्वयं जागरूक रहें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें।

बाजरा खरीद के पहले दिन ही मंडी में हंगामा

चरखी दादरी। जिले में बाजरे की खरीद शुरू होने के पहले ही दिन वीरवार को मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर दर्ज फसल के डाटा को पटवारियों की ओर से वेरिफिकेशन न होने से किसानों और मंडी प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन गई। बड़ी संख्या में किसान फसल लेकर खरीद केंद्रों पर पहुंच गए लेकिन पोर्टल पर डाटा वेरिफिकेशन पूरा न होने से उनके गेटपास नहीं कटे, ऐसे में कर्मचारियों ने उन्हें वापस फसल ले जाने के लिए कहा। बार-बार इसी प्रकार के मामले सामने आते रहे जिसके कारण दिनभर किसानों व कर्मचारियों के बीच विवाद हुआ। किसानों का आरोप रहा कि उन्हें वेरिफिकेशन की पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई जिसके कारण वे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बाजरा लेकर मंडी पहुंच गए। अब वापस फसल ले जाने और दोबारा मंडी लाने या ट्रैक्टर को कुछ दिन मंडी में खड़ा रखने में उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मेहनत भी ज्यादा लग रही हैं। मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर दर्ज किसानों की फसल संबंधी जानकारी का पटवारियों द्वारा वेरिफिकेशन किया जा रहा है। जिले में अभी भी 1.20 लाख से अधिक डाटा का वेरिफिकेशन नहीं हुआ है। ऐसे में पहले दिन मंडी में पहुंचे कई किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई किसानों ने वेरिफिकेशन के बाद बाजरा बेचने के लिए स्वीकृत मात्रा को लेकर भी सवाल उठाए। किसानों का आरोप था कि जिन किसानों का डाटा वेरिफाई हो चुका है उनमें भी कई की वास्तविक फसल के मुकाबले कम क्विंटल बाजरा पास किया गया। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ गई। किसान अधिकारियों से वास्तविक फसल के अनुसार खरीद की अनुमति देने की मांग करते रहे। मंडी में किसानों को जब अपने स्तर पर पटवारी से वेरिफिकेशन करवाने की बात कही गई तो स्थिति और बिगड़ गई।

किसानों का कहना था कि पोर्टल पर फसल का ब्योरा दर्ज कराने और

सीजन में 48 जोड़ी ट्रेनों में बढ़ाए 135 अतिरिक्त डिब्बे

भिवानी। त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 48 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर 135 अतिरिक्त डिब्बे लगाए हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे की सूची के अनुसार रेवाड़ी-नारनौल-रींगस, हिसार-भिवानी-रेवाड़ी, भिवानी-चंडीगढ़ और हिसार-जयपुर रूट की ट्रेनों में यह बढ़ोतरी की गई है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि ट्रेन संख्या 19611/19614 और 19613/19612 अजमेर-अमृतसर-अजमेर में एक-एक द्वितीय शयनयान श्रेणी का अतिरिक्त डिब्बा लगाया जाएगा। अजमेर-अमृतसर सेवा रेवाड़ी, चरखी दादरी, भिवानी और हिसार होकर आगे जाती है। ट्रेन संख्या 14709/14710 हनुमानगढ़-जयपुर-हनुमानगढ़ में भी चार साधारण श्रेणी के अतिरिक्त डिब्बे लगाए जाएंगे। यह ट्रेन लोहारू होकर राजस्थान की ओर जाती है।

अनप्लग्ड इंडिया

मुक्केबाजी छोड़ना चाहती थी, अब स्वर्ण जीतकर खुश हूं: लवलीना

नागोया, एजेंसी। लवलीना बोरगोहेन ने 2024 ओलंपिक के बाद मुक्केबाजी से संन्यास लेने की योजना बनाई थी, लेकिन पेरिस खेलों में पदक से चूकने के कारण उन्होंने अपना इरादा बदल दिया जो उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ क्योंकि भारतीय स्टार ने शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ने अपने जन्मदिन पर 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में चीन की जियी बाओ को 5-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला मुक्केबाजी में भारत के 12 साल से चले आ रहा स्वर्ण पदक का इंतजार खत्म किया। उन्होंने पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। लवलीना ने अपने मुकाबले के बाद कहा, 'मेरे लिए यह वर्ष काफी मुश्किल रहा। पहले मैं मुक्केबाजी छोड़ना चाहती थी। लेकिन मैंने जारी रखा। मैं एशियाई खेलों में अपने पदक का रंग बदलना चाहती थी। यह बहुत महत्वपूर्ण था। उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने खेलना जारी रखा।'

असम की रहने वाली इस मुक्केबाज ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था लेकिन पेरिस ओलंपिक से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने एक साल के लिए ब्रेक लिया और फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की। वह राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से चूक गई थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने से मैं खुश नहीं थी। लेकिन एक खिलाड़ी के जीवन में बहुत सी चीजें होती हैं, जैसे हार, चोट। आपको बहुत सी चीजों का सामना करना पड़ता है। यह स्वर्ण पदक मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।'

लवलीना ने कहा, 'मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। मुझे नहीं पता कि स्वर्ण पदक का जश्न कैसे मनाऊं। मुझे अपनी इस जीत को स्वीकार करने के लिए कुछ समय चाहिए। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।' इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे मजबूत रहना होगा और जीतना होगा। मैं हर चीज को लेकर बहुत सकारात्मक थी। जापान मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है। मैं हमेशा जीतने के बारे में सोचती हूं।' लवलीना से जब पूछा गया कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह सबसे पहले किसे फोन करेंगी, उन्होंने कहा, ''मैं सबसे पहले अपनी मां को फोन करूंगी। वह मेरे मैच नहीं देखतीं क्योंकि वह बहुत चिंतित रहती हैं।'

संक्षिप्त समाचार

डिंगी सेलिंग: नेत्रा ने ब्रॉन्ज किया अपने नाम

गामागोरी । भारत की सेलर नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। काइयोह यॉट हार्बर में दो रेस की फाइनल सीरीज के बाद नेत्रा ने 14 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटगोमरी ने पांच पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता, जबकि सिंगापुर की जानिया एंग ने 13 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का सेलिंग में यह तीसरा मेडल है। इससे पहले

पुरुषों की स्किफ में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर और महिलाओं की स्किफ में हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। नेत्रा ने सप्ताह की शुरुआत में हुई क्वालीफिकेशन सीरीज से सात रीकैलकुलेटेड पॉइंट्स के साथ फाइनल में एंट्री की। फाइनल 1 में नेत्रा छठे स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल 2 जीतकर (एक पॉइंट जोड़कर) जवाब दिया, जिससे वह ओवरऑल तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। नेत्रा 14 नेट पॉइंट्स (क्वालीफिकेशन सीरीज और फाइनल से सात-सात पॉइंट्स) के साथ हांगकांग की स्टेफनी नॉर्टन के बराबर रहीं, लेकिन पूरी सीरीज में बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड रखने के बाद टाई-ब्रेक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नेत्रा ने 2021 में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला सेलर बनकर इतिहास रचा था।

पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में भारत को सिल्वर मेडल

ओकाजाकी । भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शुक्रवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में फाइनल में नौ बार की चैंपियन दक्षिण कोरियाई टीम ने हरा दिया। हार के कारण भारतीय टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में शामिल नीरज चौहान, यशदीप भोगे और धीरज बोम्मादेवरा की तिकड़ी को दक्षिण कोरिया की

किम जे देओक, किम वूजिन और ली वूसोक की तिकड़ी ने 1-5 से हराया। पुरुषों के रिकर्व टीम इवेंट में यह भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स सिल्वर मेडल है। भारतीय टीम को हांगझोऊ 2023 के फाइनल में भी दक्षिण कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। ओलंपियन बोम्मादेवरा उस सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। भारतीय तीरंदाजों को कोरियाई तीरंदाजों को हराना मुश्किल लगा और वे सिर्फ एक सेट टाई कर पाए, जबकि बाकी दो हार गए। भारत और कोरिया ने पहले सेट में छह तीरों से 56 पॉइंट बनाए, जिसके बाद दोनों ने एक-एक पॉइंट साझा किया। नौ बार के चैंपियन ने अपना शीर्ष प्रदर्शन जारी रखा और भारतीय तीरंदाजों की कुछ गलतियों की वजह से 57-40 के स्कोर के साथ दूसरा सेट जीत लिया। 3-1 की बढ़त के साथ, कोरिया ने 56-54 के स्कोर के साथ तीसरा सेट भी जीत लिया, क्योंकि उन्होंने आखिरी सेट में नौ से कम का कोई निशाना नहीं लगाया, जबकि भारत की ओर से आखिरी सेट में सात का शॉट लगा। दोनों टीमों ने पहले सेट में 1-1 की बराबरी के साथ फाइनल की शुरुआत की। दोनों टीमों ने शुरुआती सेट में 56 पॉइंट बनाए और तीन-तीन बार 10 पॉइंट हासिल किए।

ओलंपिक चैंपियन को हराया

सुजीत कलकल ने एशियाई खेलों में जीता गोल्ड मेडल

नागोया। सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में अपना दबदबा साबित करते हुए शुक्रवार को एशियाई खेलों का गोल्ड मेडल जीता। खिताब जीतने के रास्ते में उन्होंने एक ओलंपिक चैंपियन को भी हराया और इस तरह अपने शानदार साल का समापन किया। फाइनल तक पहुंचने के लिए उन्होंने ईरान और जापान के मज़बूत प्रतिद्वंद्वियों को पहले ही हरा दिया था और इसमें कोई शक नहीं था कि 23 वर्षीय सुजीत अपना पहला एशियाई खेलों का गोल्ड मेडल जीतेंगे। लेकिन ताजिकिस्तान के अब्दुलमजिद कुदिएव ने भारतीय पहलवान के लिए चुनौती पेश की। सुजीत 2-9 से पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने लगातार आठ अंक हासिल करके शानदार वापसी की और जबरदस्त जीत दर्ज की।सुजीत ने अपने अभियान की शुरुआत अफगानिस्तान के सैयद उमर जजई को टेक्निकल सुपीरियरिटी (13-3) से हराकर की और क्वार्टर फाइनल में ईरान के अब्बास इब्राहिमजादेहसावदकोही के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बिना कोई अंक गंवाए टेक्निकल सुपीरियरिटी से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में जापान के ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियोका को क्राइटेरिया के आधार पर 3-3 से हराया।

मुक्केबाजी में गोल्डन हैट्रिक: लवलीना-परवीन के बाद अंकुश ने जीता गोल्ड

आइची नागोया। भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंघाल ने एशियन गेम्स में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। नागोया के निशियो जिम्नेजियम में खेले गए फाइनल में अंकुश ने दक्षिण कोरिया के किम मिनसियोंग को 4-0 से हराया। अंकुश की जीत के साथ ही एशियाई खेलों में भारत का मुक्केबाजी अभियान तीन स्वर्ण और तीन कांस्य पदकों के साथ खत्म हुआ। भारत ने कुल छह पदक अपने नाम किए।फाइनल में अंकुश ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले राउंड में तेजी और सटीक पंचों के दम पर किम पर दबाव बनाया। भारतीय मुक्केबाज ने यह राउंड 4-1 से अपने नाम किया। किम को पहले राउंड में चेतावनी के कारण एक अंक की कटौती भी झेलनी पड़ी। दूसरे राउंड में अंकुश का प्रदर्शन और प्रभावी रहा। उन्होंने अपने 1-2 पंचों के साथ मौके बनाए और कोरियाई मुक्केबाज के हमलों का जवाब काउंटर पंच से दिया। किम ने कुछ अच्छे पंच लगाए, लेकिन अंकुश की रक्षात्मक तकनीक और काउंटर अटैक के सामने वह लगातार पिछड़ते गए। दूसरे राउंड में सभी पांच जजों ने अंकुश को बढ़त दी।

परवीन ने कड़े मुकाबले में जीता था गोल्ड

अंकुश से पहले परवीन हुड्डा ने महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। परवीन ने चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को करीबी मुकाबले में 3-2 से हराया था। परवीन ने फाइनल की शुरुआत शानदार तरीके से की और पहला राउंड 5-0 से अपने नाम किया। हालांकि चेन ने दूसरे राउंड में जोरदार वापसी की और सभी पांच जजों ने यह राउंड उनके पक्ष में दिया। निर्णायक तीसरे राउंड में परवीन ने धैर्य बनाए रखा और 3-2 से राउंड जीत लिया। इस तरह उन्हें स्प्लिट निर्णय में 3-2 से विजेता घोषित किया गया और उन्होंने एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जन्मदिन पर लवलीना ने जीता सोना

भारत के लिए दूसरा महिला बॉक्सिंग स्वर्ण लवलीना बोरगोहेन ने जीता। 2 अक्टूबर को अपना 29वां जन्मदिन मना रहीं लवलीना ने महिलाओं के 75 किग्रा फाइनल में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराया। लवलीना ने मुकाबले में शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने एशियन गेम्स 2022 के रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुकीं लवलीना ने अपने जन्मदिन पर स्वर्ण पदक जीतकर अभियान को यादगार बना दिया। यह एशियाई खेलों में लवलीना का पहला स्वर्ण पदक है।

तीन कांस्य भी भारत की झोली में

भारत ने एशियन गेम्स के मुक्केबाजी अभियान में तीन कांस्य पदक भी जीते। पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग में कपिल पोखरिया ने कांस्य हासिल किया। पुरुषों के 90 किग्रा से अधिक वर्ग में नरेंद्र बरवाल ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग में प्रियंका घंघास ने भी कांस्य पदक अपने नाम किया। तीनों मुक्केबाज सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन अंतिम चार के मुकाबले में हार के बाद उनका अभियान कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। इस तरह भारत ने मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और तीन कांस्य पदक के साथ कुल छह पदक जीते।

11 मुक्केबाजों ने लिया था हिस्सा

भारत ने एशियन गेम्स के मुक्केबाजी मुकाबलों में कुल 11 मुक्केबाज उतारे थे। इनमें छह मुक्केबाज पदक जीतने में सफल रहे। महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग में साक्षी चौधरी को राउंड ऑफ 16 में कजाकिस्तान की मौजूदा विश्व चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा से हार मिली। महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में प्रीति पवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में उत्तर कोरिया की पांग चोल मी ने हराया। पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जदुमानी सिंह भी प्री-क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के कार्लो पालम से हार गए।

सेपकटकराव में भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में नागोया सिटी मिजुहो पार्क जिम्नेजियम में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में जापान से 0-2 से हारकर भारतीय पुरुष क्वाड्रंट टीम को सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। मालेमंगनबा सिंह सोरोखाइबाम, राम कुमार शर्मा, बॉबी कुमार और आकाश युमनाम (लोखोन सिंह एलांगबाम और टेकोंग अरुण सब्स) की भारतीय क्वाड्रंट सेमीफाइनल में युकी सातो, रयोटा हारुहारा, वतारू नारवा और योटा इचिकावा (सेया ताकानो और तोशिताका नाइतो सब्स) की जापानी क्वाड्रंट से 12-15, 13-15 के करीबी अंतर से हार गई। एशियाड में यह भारत का सेपक टकरॉ में सिर्फ तीसरा मेडल है। भारत ने 2018 जकार्ता गेम्स में पुरुषों की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और उसके बाद 2023 हांगझोऊ गेम्स में महिलाओं की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय पुरुषों की टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में टॉप पर जगह बनाई। उसने लीग स्टेज में वर्ल्ड कप विनर म्यांमार को भी चौंका दिया था और वियतनाम और लाओस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस बीच, भारतीय महिलाओं की टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई। वह अपने तीन मैचों में कोई जीत हासिल किए बिना ग्रुप ए में चौथे स्थान पर रही। महिलाओं के डबल्स में भारत अपने ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहा और खेले गए तीनों गेमों में से एक भी गेम नहीं जीत पाया।

दो अक्टूबर से बदले स्वरूप में शुरू होगा क्रिकेट का महाकुंभ

केपटाउन / नई दिल्ली। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला 50 ओवर का यह विश्व कप दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और तीन देशों के 12 वेन्यू पर 57 मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप की शुरुआत नामीबिया की राजधानी विंडहोक में सुपर सीरीज के मुकाबलों से होगी, जबकि खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। 2027 विश्व कप की सबसे बड़ी खासियत इसका बदला हुआ प्रारूप है। 2023 में 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेले थे, लेकिन इस बार 14 टीमों के टूर्नामेंट को सेमीफाइनल और फाइनल से पहले तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-7 शामिल हैं। इस बदलाव के चलते खिताब जीतने वाली टीम को फाइनल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग चरणों में कई मुकाबलों से गुजरना होगा।

सुपर सीरीज के बाद 12 टीमें मुख्य ग्रुप चरण में उतरेंगी। इन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा और प्रत्येक ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल 30 मैच होंगे। दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमें सुपर-7 में पहुंचेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी सुपर-7 में जगह मिलेगी। इस तरह कुल सात टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी।

विश्व कप का पहला चरण सुपर सीरीज होगा। इसमें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के आधार पर सबसे निचली रैंकिंग वाली तीन टीमें हिस्सा लेंगी। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इस चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी, जबकि बाकी दो टीमों का विश्व कप अभियान समाप्त हो जाएगा।

रोहित-कोहली के लिए अहम होगा मौका

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए 2027 वनडे विश्व कप अंतरराष्ट्रीय करियर को एक और विश्व कप खिताब के साथ यादगार बनाने का आखिरी मौका हो सकता है। रोहित शर्मा ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत को याद करते हुए कहा था कि वह 50 ओवर के प्रारूप में भी उस अहसास को दोबारा महसूस करना चाहते हैं। रोहित ने कहा था कि भारत के लिए विश्व कप जीतना बेहद खास अहसास है। उन्होंने बताया कि उन्होंने टी20 प्रारूप में दो बार विश्व कप जीतने का अनुभव किया है। 2007 में वह महज 20 साल के युवा खिलाड़ी थे, जबकि 2024 में भारत ने लंबे अंतराल के बाद आईसीसी खिताब जीता। वहीं, विराट कोहली ने कहा कि 2027 विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा और यही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। कोहली ने कहा था कि वह मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना चाहते हैं।

अनप्लग इंडिया
सच की आवाज़, भारत की पहचान

केबीसी में बिग बी ने किया कोलकाता पार्क स्ट्रीट का जिक्र, बोले- दुनिया में कहीं नहीं देखा था ऐसा नजारा

मुंबई। अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18 में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। शो के दौरान अभिनेता ने कोलकाता की मशहूर पार्क स्ट्रीट से जुड़ाव के बारे में बताया।अभिनेता ने कोलकाता के मशहूर रेस्टोरेंट और लाइव-म्यूजिक कल्चर को याद किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि कैसे पार्क स्ट्रीट शहर की नाइटलाइफ और मनोरंजन का अहम हिस्सा हुआ करती थी।कंटेस्टेंट शौर्ज्य दास से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, उस समय हम सभी के रात का एंटरटेनमेंट यही हुआ करता था। कोलकाता पार्क स्ट्रीट में सभी रे रेस्टोरेंट लाइन में लगे हुए होते थे। वह बहुत अद्भुत जगह है, विश्व भर में मैंने ऐसी जगह कहीं नहीं देखी थी कि एक ही सड़क पर, 5-6 रेस्टोरेंट एक साथ मिलेंगे और सब एक से एक अव्वल नंबर पर।मेगास्टार ने आगे बातचीत में पार्क स्ट्रीट के मशहूर रेस्टोरेंट में परफॉर्म करने वाले संगीतकारों को भी याद किया, जिनमें उषा उत्थुप और लुईस बैंक्स जैसे नाम शामिल हैं। उन्होंने कहा, उन रेस्टोरेंट में कई अव्वल गायक गाना गाया करते थे। हम तो उनके सामने कुछ है ही नहीं और उनमें से कई ने तो हिंदी सिनेमा में आकर गायिकी में अपना योगदान भी दिया है, जिनमें उषा उत्थुप जी और लुईस बैंक्स रहे हैं।बता दें कि उषा उत्थुप का पार्क स्ट्रीट से खास जुड़ाव रहा है। उन्होंने 1969 में कोलकाता आने के बाद वहीं स्थित एक रेस्टोरेंट में अपने प्रोफेशनल सिंगिंग करियर की शुरूआत की थी और आगे चलकर शहर के लाइव-म्यूजिक कल्चर की सबसे पहचानी जाने वाली आवाजों में से एक बन गईं। उषा उत्थुप ने ऐसे समय में साड़ी पहनकर परफॉर्म करने का फैसला किया, जब नाइटक्लब के मंच पर पश्चिमी संगीत का बोलबाला था। वे पारंपरिक भारतीय साड़ी, बिंदी और गजरा पहनकर मंच पर पश्चिमी और जैज संगीत गाती थीं, जो उस दौर में एक नया और अनूठा अनुभव था।दिल्ली के एक होटल में प्रस्तुति के दौरान देव आनंद और शशि कपूर ने उनकी आवाज को सराहा था। देव आनंद ने उन्हें फिल्म हरे राम हरे कृष्णा (1971) और मर्चेंट आइवरी की फिल्म बॉम्बे टॉकीज में गाने का मौका दिया, जिसके बाद वे भारतीय पॉप और पार्श्व गायन की दुनिया में छा गईं।

प्रेम कीटाणु से आफिया सैयद का धमाकेदार डेब्यू

अभिनेत्री रवीना ने लुटाया प्यार

मुंबई। निमार्ता साजिद नाडियाडवाला की भांजी (बहन की बेटी) आफिया सैयद ने कॉमेडी-ड्रामा-रोमांस फिल्म प्रेम कीटाणु से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा है। शुक्रवार को अभिनेत्री रवीना टंडन ने आफिया सैयद के काम की तारीफ की।कॉमेडी-ड्रामा-रोमांस फिल्म ह्यप्रेम कीटाणुह्न की स्क्रीनिंग गुरुवार रात को रखी गई थी, जिसमें मनोरंजन जगत की बड़ी-बड़ी हस्तियों ने शिरकत की थी। अभिनेत्री रवीना टंडन ने आफिया सैयद के साथ इंस्टाग्राम कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, आफिया सैयद को बधाई। प्यार, आशीर्वाद और तुम्हारे दिल की हर ख्वाहिश पूरी हो।अभिनेत्री ने आगे लिखा, मैंने तुम्हे फिल्म के लिए कड़ी मेहनत और लगन से काम करते देखा है। रास्ते में कई रुकावटें आईं लेकिन तुमने कभी अपना फोकस नहीं खोया। तुम अकेले मजबूती से खड़ी रहीं और जीत की उस एक मंजिल के लिए सब कुछ सहा।अभिनेत्री ने बताया कि आफिया सैयद को बड़े पर्दे पर देखकर उन्हें काफी गर्व महसूस हुआ। उन्होंने लिखा, तुम्हें पर्दे पर पूरे जलवे में देखकर मैं सबसे गर्वित मौसी बन गई हूं। लव यू बेटा और ईश्वर तुम्हें ढेर सारा आशीर्वाद दे। तुम्हारा सिनेमा की दुनिया में स्वागत है, तुम यहां जीतने के लिए आई हो। प्रेमकीतनु नजदीकी थिएटर में चल रही है।रवीना टंडन ने आगे फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ करते हुए लिखा, वीर पहाड़िया तुमने भी अच्छा परफॉर्म किया है। अपारशक्ति खुराना, तुम बेहद शानदार हो। निक्की तुम बहुत क्यूट और फनी हो। गौरव और अपूर्वा को भी बधाई।अपूर्व सिंह कार्की द्वारा निर्देशित और गौरव वर्मा द्वारा निर्मित फिल्म कॉलेज के दिनों की मस्ती, दोस्ती, एकतरफा प्यार और दिल टूटने जैसे अनुभवों के इर्द-गिर्द घूमती है। कई जगह दावा किया जा रहा है कि यह चर्चित मलयालम हिट फिल्म प्रेमालू का रीमेक है।फिल्म में वीर पहाड़िया के अलावा अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।

अर्थशॉट प्राइज में अवॉर्ड देंगी आलिया भट्ट

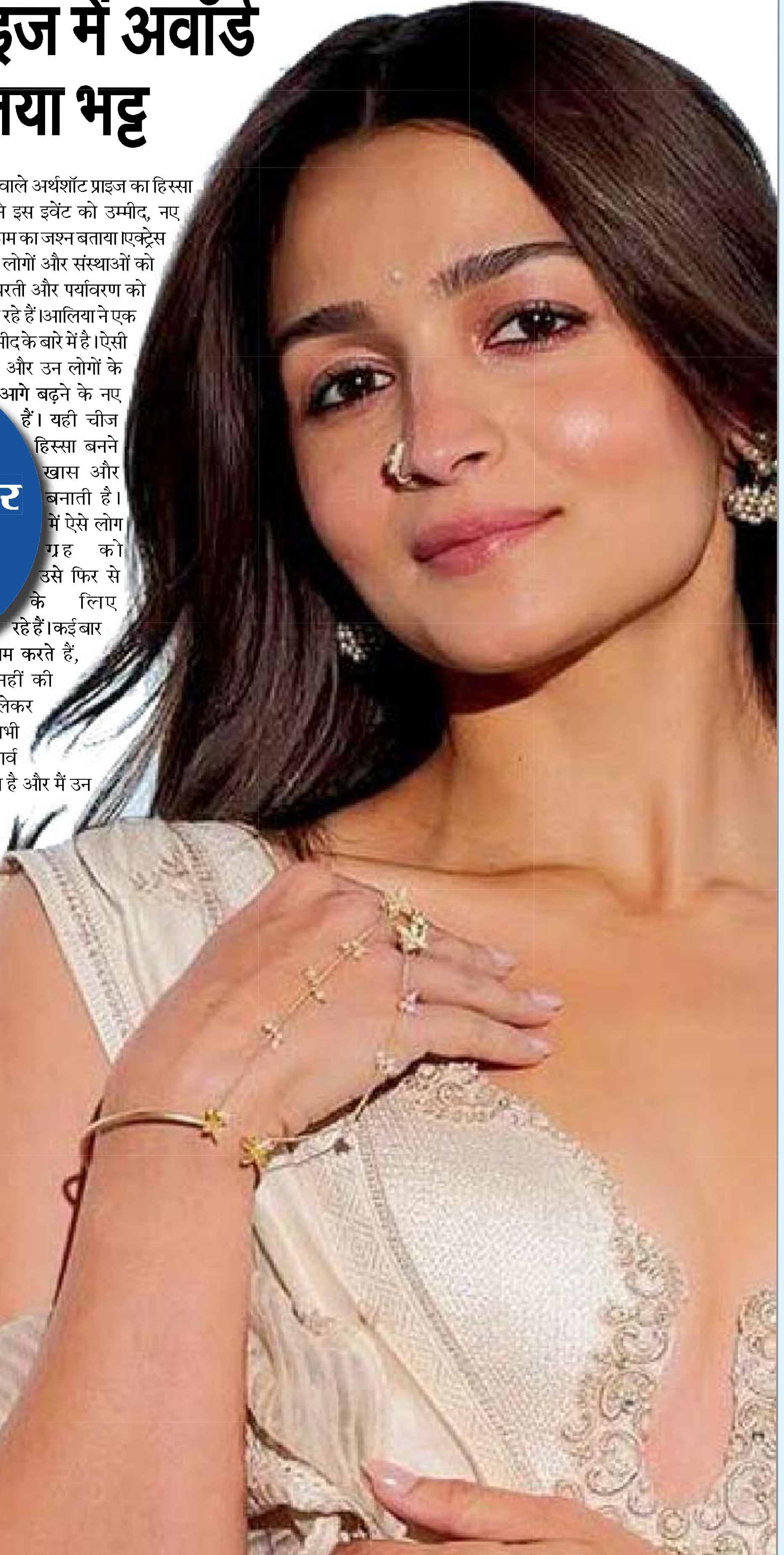

यह उम्मीद, आइडिया और एक्शन का जश्न है

मुंबई। एक्ट्रेस आलिया भट्ट मुंबई में होने वाले अर्थशॉट प्राइज का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस इवेंट को उम्मीद, नए आइडिया और बदलाव के लिए किए जा रहे काम का जश्न बताया।एक्ट्रेस ने कहा कि वह दुनिया भर से आने वाले उन लोगों और संस्थाओं को सेलिब्रेट करने का इंतजार कर रही हैं, जो धरती और पर्यावरण को बचाने के लिए नए और इनोवेटिव तरीके खोज रहे हैं।आलिया ने एक बयान में कहा, ह्यअर्थशॉट प्राइज वास्तव में उम्मीद के बारे में है। ऐसी उम्मीद, जो आइडिया, एक्शन और उन लोगों के साथ आती है, जो आगे बढ़ने के नए रास्ते तलाश रहे हैं। यही चीज इस इवेंट का हिस्सा बनने को इतना खास और प्रेरणादायक बनाती है। दुनिया भर में ऐसे लोग हैं, जो हमारे ग्रह को बचाने और उसे फिर से बेहतर बनाने के लिए शानदार काम कर रहे हैं। कई बार वे ऐसे तरीकों से काम करते हैं, जिनकी हमने शायद कभी कल्पना भी नहीं की होगी।मुंबई में इस आयोजन के होने को लेकर आलिया ने कहा, ह्यअलग-अलग देशों से इन सभी लोगों का एक जगह आना बेहद खास है। मुझे गर्व है कि भारत इस खास पल का हिस्सा बन रहा है और मैं उन लोगों को सेलिब्रेट करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो इन समाधानों के पीछे हैं और हम सभी के लिए काम कर रहे हैं।आलिया इवेंट में दिए जाने वाले पांच अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स में से एक अवॉर्ड पेश करेंगी। समारोह में दुनियाभर में पर्यावरण से जुड़ी बड़ी चुनौतियों के समाधान पर काम कर रहे लोगों और संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में करीब 5,000 मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है।इस खास मौके पर आलिया भट्ट के साथ ऑस्कर विजेता एक्टर रामी मालेक, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और ब्रिटिश एक्ट्रेस और म्यूजिशियन सिमोन एश्ले समेत कई अन्य प्रेजेंटर्स और खास मेहमान भी मौजूद रहेंगे। इस इवेंट की होस्टिंग करण जौहर करेंगे।अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स नाइट्स इवेंट को दुनियाभर में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शक इस समारोह को देख सकेंगे। इसे 40 से ज्यादा भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा।

सार समाचार

सिनेमाघरों में रिलीज होते ही दृश्यम 3 ने मचाया तहलका

● पहले दिन की सुबह के शोज में टूटा सभी रिकॉर्ड्स का पहिया

नई दिल्ली। सिनेमाप्रेमियों का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो चुका है और विजय सालगांवकर की रहस्यमई दुनिया एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट आई है। अजय देवगन और तब्बू स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 ने आज यानी 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) के खास मौके पर सिनेमाघरों में धमाकेदार दस्तक दे दी है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पिछले कई दिनों से जिस तरह का जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा था, वह अब टिकट खिड़की पर आंकड़ों के रूप में साफ नजर आ रहा है। सुबह के शुरूआती शोज से

ही देश भर के सिनेमाघरों के बाहर दर्शकों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि विजय सालगांवकर का खौफ और कहानी का आकर्षण आज भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा हैफर्स्ट डे फर्स्ट शो से ही बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ शुरूआत, शुरूआती आंकड़ों ने शाहरुख खान की पठान को दी टक्कररिलीज के पहले ही दिन फिल्म की कमाई की रफ्तार इतनी तेज है कि ट्रेड एनालिस्ट्स भी हैरान रह गए हैं। प्राप्त रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुबह के शुरूआती शोज में ही फिल्म ने शानदार ऑक्यूपेंसी दर्ज कराते हुए करोड़ों रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। मल्टीप्लेक्स से लेकर सिंगल स्क्रीन थिएटर्स तक हर जगह हाउसफुल के बोर्ड नजर आ रहे हैं। शुरूआती रुझानों को देखते हुए बॉक्स ऑफिस विशेषज्ञों का अनुमान है कि ह्यदृश्यम 3ह्न अजय देवगन के करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बन सकती है, और यह शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान जैसी फिल्मों के ओपनिंग रिकॉर्ड्स को भी कड़ी टक्कर देती नजर आ रही है।सिनेमाघरों से बाहर आ रहे दर्शकों और क्रिटिक्स की प्रतिक्रियाओं से यह साफ हो गया है कि फिल्म का स्क्रीनप्ले, कसा हुआ सस्पेंस और हैरान कर देने वाला क्लाइमैक्स दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरा है। अजय देवगन के शानदार अभिनय और तब्बू के संजीदा किरदार ने कहानी में जान फूंक दी है। चूंकि शुक्रवार को 2 अक्टूबर की छुट्टी होने के कारण फिल्म को एक लंबा 3-दिन का वीकेंड मिला है, ऐसे में एडवांस बुकिंग के मजबूत आंकड़ों और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ के दम पर यह लगभग तय माना जा रहा है कि फिल्म शुरूआती कुछ दिनों में ही 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो जाएगी।

फिल्म प्रेम कीटाणु की स्पेशल स्क्रीनिंग में बॉलीवुड सितारों का जमावड़ा, सलमान खान के दबंग अंदाज ने लूटी महफिल

मुंबई। मुंबई में जब भी किसी नई और बहुप्रतीक्षित फिल्म का आगाज होता है, तो बॉलीवुड सितारों की चमक से पूरा रेड कार्पेट जगमगा उठता है। ऐसा ही शानदार नजारा वीर पहाड़िया और आफिया सैयद की आने वाली फिल्म प्रेम कीटाणु की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान देखने को मिला। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत कर नई स्टारकास्ट को अपना समर्थन और प्यार दिया। इस इवेंट का सबसे बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के दबंग खान यानी सलमान खान की मौजूदगी रही। जैसे ही सलमान खान ने रेड कार्पेट पर कदम रखा, वहां मौजूद पैपराजी और दर्शकों के बीच अलग ही क्रेज और उत्साह देखने को मिला। सादगी भरे अंदाज में पहुंचे सलमान ने मुस्कुराकर कैमरों के सामने पोज दिए और फिल्म की पूरी टीम को शानदार सफलता की शुभकामनाएं दीं।रवीना टंडन और रिया चक्रवर्ती के स्टाइलिश अंदाज ने बढ़ाई रौनक, पर्दे की नई जोड़ी को मिला इंडस्ट्री के दिग्गजों का साथसलमान खान के अलावा बॉलीवुड की कई अन्य खूबसूरत और दिग्गज अभिनेत्रियों ने भी इस स्क्रीनिंग नाइट की शोभा बढ़ाई। अभिनेत्री रवीना टंडन अपने एवरग्रीन और ग्रेसफुल लुक में नजर आईं, वहीं रिया चक्रवर्ती के स्टाइलिश और ट्रेंडी अंदाज ने भी सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिल्म प्रेम कीटाणु के जरिए वीर पहाड़िया और आफिया सैयद बड़े पर्दे पर अपनी अभिनय यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं, ऐसे में बॉलीवुड के दिग्गजों का इस स्क्रीनिंग में पहुंचना पूरी टीम के लिए एक बेहद गर्व और यादगार पल रहा। मेहमानों ने युवा कलाकारों के काम की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन में बनी यह फिल्म युवा रोमांस, कॉलेज लाइफ और रिश्तों के ताने-बाने को बेहद मनोरंजक और कॉमेडी अंदाज में परदे पर उतारती है। आज यानी 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी अच्छा खासा रुझान और क्रेज देखा जा रहा है। स्टार-स्टडेड स्क्रीनिंग और सितारों से मिले जोरदार समर्थन के बाद अब यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि यह नई प्रेम कहानी बड़े पर्दे पर दर्शकों के दिलों पर कितना खरा उतरती है और बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है।

मैं ना रहा मेरा का नया गाना शायद रिलीज, रेखा भारद्वाज की आवाज ने दिया इमोशनल टच

मुंबई। फिल्म मैं ना रहा मेरा के मेकर्स ने इसका नया गाना शायद रिलीज कर दिया है। अध्ययन सुमन और दिविता राय पर फिल्माए गए इस गाने को रेखा भारद्वाज ने अपनी आवाज दी है। रेखा भारद्वाज ने बताया कि इस गाने की सबसे खास बात उन्हें इसकी सादगी लगी।शायद के बारे में बात करते हुए रेखा भारद्वाज ने कहा, मेरे लिए यह गाना शब्दों के पीछे छिपी भावनाओं को समझने के बारे में है। गाने के बोल में एक खास तरह की संवेदनशीलता है और राहुल नायर की धुन उस भावना को खुलकर सामने आने की जगह देती है। मैं चाहती थीं कि मेरी आवाज ऐसी लगे जैसे कोई व्यक्ति सच में अपने दिल की बात कह रहा हो। मुझे खास तौर पर गाने की सादगी काफी पसंद आई है। इसी सादगी की वजह से गाना असरदार तरीके से बन पाया है।उन्होंने कहा, गाना उन भावनाओं को सामने लाता है जिन्हें अक्सर शब्दों में कहना आसान नहीं होता। प्यार के साथ आने

वाली अनिश्चितता, किसी के लिए तड़प और दिल की कमजोरी को गाने में बेहद सहज तरीके से दिखाया गया है। गाना धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और इसकी धुन और बोल मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं, जो सुनने वाले को किरदारों की भावनाओं के करीब ले जाता है।अध्ययन सुमन ने भी शायद गाने को फिल्म के लिए बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, यह गाना अनकही भावनाओं को सामने रखता है। राहुल नायर की धुन और देव पांडे के बोल खूबसूरती से साथ आए हैं और रेखा भारद्वाज की आवाज ने गाने में जान डालने का काम किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी गाने में दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे।मैं ना रहा मेर-।को अमित कसरिया ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म को धर्मेश संगानी ने प्रोड्यूस किया है, जबकि जोहरी टेलर इसके को-प्रोड्यूसर हैं। शायद अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

फिल्म निमार्ता तपन सिन्हा की जयंती पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई। प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता तपन सिन्हा की जन्मतिथि शुक्रवार को मनाई जा रही है। इस मौके पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देकर याद किया।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर उनके महत्व पर प्रकाश डालते हुए लिखा, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता तपन सिन्हा आज भी सिनेमा के प्रति अपने समर्पण से हम सभी के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। उनकी फिल्में भारतीय सिनेमा की अमूल्य धरोहर के रूप में हमेशा याद की जाएंगी।2 अक्टूबर को कोलकाता में जन्में तपन सिन्हा अपने समय के सबसे प्रमुख और सम्मानित भारतीय फिल्म निर्देशकों में से एक थे। उन्होंने करियर की शुरूआत 1946 में कोलकाता के प्रसिद्ध न्यू थिएटर्स में साउंड इंजीनियर के रूप में की थी।1950 के दशक की शुरूआत में वह लंदन गए और पाइनवुड स्टूडियो में काम करते हुए फिल्म निर्माण की बारीकियां सीखीं। भारत लौटने के बाद उन्होंने 1954 में नारायण गंगोपाध्याय की कहानी पर आधारित अपनी पहली फिल्म ह्यअंकुशह्न (सैनिक) निर्देशित की थी। तपन सिन्हा को रविंद्रनाथ टैगोर और अन्य महान साहित्यकारों की कहानियों को पर्दे पर उतारने में महारत हासिल थी। उन्होंने टैगोर की कहानियों पर काबुलीवाला (1957), क्षुधिता पाषाण (भूख पाषाण) और अतिथि जैसी बेहतरीन फिल्में बनाई। उनके करियर की अन्य चर्चित फिल्मों में हाटे बाजारे (1967), अपांजन (1968), सगीना महतो(1970) (जिसमें दिलीप कुमार और सायरा बानो ने अभिनय किया) और ह्यगल्पो होलो सत्यि शामिल हैं। उनकी फिल्म गल्पो होलो सत्यि पर बाद में हृषिकेश मुखर्जी ने हिंदी में बावर्ची बनाई थी।

बाली में छुट्टियां मना रहीं अभिनेत्री नुसरत भरूचा का हुआ एक्सीडेंट, अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री नुसरत भरूचा से जुड़ी एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। काम के सिलसिले में बाली (इंडोनेशिया) गई अभिनेत्री का एक दुर्भाग्यपूर्ण एक्सीडेंट हो गया है, जिसके चलते उन्हें गंभीर चोटें आई हैं।हादसे के बाद उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। इस अचानक हुई दुर्घटना की खबर मिलते ही उनके फैंस और शुभचिंतक उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं, हालांकि उनकी चोटों की गंभीरता और स्वास्थ्य को लेकर आधिकारिक विस्तृत जानकारी का अभी इंतजार किया जा रहा है।महज एक हफ्ते पहले ही अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने अपनी बाली यात्रा की कुछ खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं, जिनमें वह बीच पर मौसम का आनंद लेती नजर आ रही थीं। काम पूरा होने के बाद उन्होंने वहां कुछ दिन और बिताने का फैसला किया था, लेकिन इसी दौरान यह अनहोनी घटना घट गई। उनके प्रतिनिधियों के अनुसार, नुसरत की हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है और उनके परिवार तथा टीम के सदस्य भी संपर्क बनाए हुए हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो नुसरत भरूचा हाल ही में सोहम शाह के साथ कॉमेडी थ्रिलर फिल्म उफ ये सियापा में नजर आई थीं। इसके अलावा, वह जल्द ही टाइगर श्रॉफ के साथ एक बड़ी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी, जो दोनों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी।

नेक्स्टऐज मीडिया एंड कंसलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साई प्रिंटिंग प्रेस डी- 85 सेक्टर-06 नोएडा 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा- 201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक: रिंकू यादव संपादक: अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 फोन : 0120-4403949, ईमेल unplugindia26@gmail.com